● bordernewsmirror@gmail.com
● पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
● द्विभाषिक समाचार पत्र

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

02 सामूहिक प्रयास से राज्य में दुर्घटना का जोखिम होगा कम: विजय कुमार चौधरी

04 17 दिव्यांगजनों को मिली बैट्री चालित ट्राईसाईकिल

बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

● पटना, मंगलवार, 12 मार्च 2024 www.bordernewsmirror.com ● पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रूपए ● वर्ष: 05, अंक: 13

संदेशखाली: सीबीआई जांच के खिलाफ पश्चिम बंगाल की याचिका खारिज

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों पर कथित हमले से संबंधित मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने के कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ दायर राज्य सरकार की याचिका सोमवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कहा, ₹हम उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप करने और विशेष अनुमति याचिका पर विचार करने के इच्छुक नहीं हैं। हालांकि, राज्य पुलिस के खिलाफ की गई टिप्पणियां हटा दी जाएंगी। पश्चिम बंगाल सरकार ने संबंधित मुकदमे को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को स्थानांतरित करने के कलकत्ता उच्च न्यायालय के निर्देश के खिलाफ शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था। उच्च न्यायालय के समक्ष याचिका दायर कर राज्य सरकार पर यह भी आरोप लगाया गया था कि उसने संदेशखाली हिंसा के मुख्य आरोपी शाहजहां शेख को गिरफ्तार करने में देरी की थी। पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से वरिष्ठ वकील ने उच्च न्यायालय द्वारा राज्य पुलिस के खिलाफ की गई टिप्पणियों पर आपत्ति जताई थी।

संविधान बदलने की साजिश कर रही भाजपा: खडगे

सांसद खुलेआम कहता है कि पार्टी को संविधान बदलने के लिए लोकसभा में 400 का आंकड़ा चाहिए

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर हमला करते हुए कहा है कि दोनों बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के संविधान को खत्म कर देश का संविधान बदलने की साजिश कर रहे हैं, इसलिए लोकसभा चुनाव में दो तिहाई बहुमत हासिल कर सरकार बनाना चाहते हैं।

श्री खडगे ने सोमवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भाजपा का सांसद खुलेआम कहता है कि पार्टी को संविधान बदलने के लिए लोकसभा में 400 का आंकड़ा चाहिए। उनका कहना था कि भाजपा इस बयान को गलत मानती है, तो उसे ऐसा कहने वाले सांसद को पार्टी से निकाल देना चाहिए। उन्होंने कहा मुझे बड़े दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि भाजपा ने संविधान को सम्पूर्ण तरीके से स्वीकार नहीं किया है। एक तरफ प्रधानमंत्री कहते हैं- संविधान नहीं बदला जाएगा, दूसरी तरफ वो अपने सांसद से कहलवाते हैं कि संविधान बदलने के लिए हमें दो तिहाई बहुमत चाहिए।

उन्होंने कहा, ₹देश को आजादी दिलाने और संविधान बनाने में आरएसएस-भाजपा का कोई योगदान नहीं हैं। ये तिरंगे झंडे का भी विरोध करते रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा डॉ.अम्बेडकर की बात करते हैं, लेकिन उनके उसूलों को नहीं मानते हैं। अगर मानते तो संविधान बदलने की बात करने वाले लोगों को पार्टी से निकाल देते। भाजपा सामाजिक न्याय के खिलाफ है। जिस संविधान ने सभी को हक और आजादी दी उसे ही बदलने की बात आज भाजपा कर रही है। भाजपा हमेशा कांग्रेस पार्टी की आलोचना करती रहती है, क्योंकि हमने संविधान में लिखने बोलने की आजादी दी है।

श्री खडगे ने कहा, "डॉ.अम्बेडकर ने देश को जो संविधान दिया उसे भाजपा के लोगों द्वारा नकारा गया। देश के गरीबों का हक छीनने के लिए भाजपा ऐसी कोशिशें कर रही है। देश की संस्थाओं को भी भाजपा एक-एक करके खत्म कर रही है। कैग भी इनमें से एक है। कैग रिपोर्ट से पता चलता है कि केंद्र और राज्य की भाजपा सरकारों ने 8,50,000 करोड़ रुपए का घोटाला किया है, लेकिन भाजपा मानने को तैयार नहीं है। हम वीवीपैट का मुद्दा लेकर चुनाव आयोग के पास भी गए, लेकिन उसका भी हमें कोई जवाब नहीं मिला।

उन्होंने कहा, ₹एसबीआई द्वारा इलेक्टोरल बॉन्ड का डेटा देने के लिए 4 महीने का समय मांगना, इस बात को साबित करता है कि मोदी सरकार अपनी काली करतूतों पर पर्दा डालने की कोशिश कर रही है। अगर एसबीआई के पास डेटा है तो लिस्ट निकालिए फिर छिपाना क्यों है। लेकिन भाजपा सरकार ये जानकारी चुनाव से पहले सामने नहीं आने देना चाहती।

3 देशों के अल्पसंख्यकों को नागरिकता, CAA को लेकर केंद्र सरकार ने जारी की अधिसूचना

नई दिल्ली : लोकसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान कुछ ही दिनों में हो सकता है। बीजेपी ने इस बार अबकी बार 400 पार का नारा दिया गया है। खुद प्रधानमंत्री अलग अलग मंचों से ये बात कह चुके हैं कि अगर 400 पार करना है तो किस तरह से काम करना है। जनता के बीच जाकर पीएम मोदी की तरफ से घोषणाएं की जा रही हैं। वहीं इसी क्रम में आज सीएए की अधिसूचना जारी कर दी गई है। पड़ोसी देशों के प्रताड़ित धार्मिक अल्पसंख्यकों के संरक्षण के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। तीन देश अफगानिस्तान, पाकिस्तान, बांग्लादेश के हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई इसमें शामिल हैं। इसमें मुसलमानों को इसलिए शामिल नहीं किया गया है क्योंकि ये तीनों मुस्लिल बहुल देश हैं और वहां अल्पसंख्यक अन्य धर्मों के लोग हैं। ऐसे शर्णार्थियों को नागरिकता प्रधान की जा सके। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सीएए नियमों को अधिसूचित किए जाने से संबंधित खबरों पर कहा कि लोगों के साथ भेदभाव करने वाली किसी भी चीज का विरोध करेंगे। एनआरसी और सीएए के नाम पर लोगों को 'डिटेंशन कैंप' में भेजा जाएगा, तो विरोध करूंगी। ममता ने कहा कि सीएए और एनआरसी बंगाल और पूर्वोत्तर के लिए संवेदनशील मुद्दा, लोकसभा चुनाव से पहले अशांति नहीं चाहती। अमित शाह ने कहा था कि 70 साल से जो शरणार्थी यहां पर आकर बसे हैं। जिनके मन में दर्द है कि हम वहां से शरणार्थी बनकर आए और आज हमारी नागरिकता नहीं है। 70 साल से वो अवैध तरीके से रहे। सिटिजनशिप अमेडमेंट एक्ट को पहले ही कैबिनेट में लागूकर सभी को नागरिकता दी जाएगी।यह किसी की भारतीय नागरिकता छीनने के लिए नहीं है।

पीएम मोदी ने कहा कि आप सभी मुझे अच्छी तरह से जानते और समझते हैं। मैं छोटा नहीं सोच सकता, न ही मैं छोटे सपने देखता हूं, न ही मैं छोटे संकल्प लेता हूं। मैं जो भी चाहता हूं, वह बड़ा चाहता हूं।

ममता सरकार को झटका, CBI जांच पर रोक लगाने से इनकार

नई दिल्ली। ममता सरकार को सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है। संदेशखाली में ईडी अधिकारियों के हमले की जांच को सीबीआई को सौंपे जाने के कलकत्ता हाई कोर्ट के फैसले में कोई दखल देने से इनकार किया है। सुप्रीम कोर्ट ने ईडी अधिकारियों पर हमले से संबंधित संदेशखाली मामले में सीबीआई जांच का निर्देश देने वाले कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। हालाँकि, सुप्रीम कोर्ट ने राज्य पुलिस और सरकार के खिलाफ हाईकोर्ट द्वारा की गई टिप्पणियों को हटा दिया। न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ पश्चिम बंगाल राज्य द्वारा दायर एक विशेष अनुमति याचिका पर सुनवाई कर रही थी। कलकत्ता उच्च न्यायालय द्वारा मामले को स्थानांतरित करने और मुख्य आरोपी शाहजहाँ शेख की हिरासत को केंद्रीय एजेंसी को सौंपने का निर्देश देने के बाद याचिका तत्काल दायर की गई थी। उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने अपने आदेश में कहा कि राज्य पुलिस पूरी तरह से पक्षपाती है और 50 दिनों से अधिक समय से फरार आरोपी को बचाने के लिए जांच में देरी करने का हर संभव प्रयास किया जा रहा है। आज सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी और जयदीप गुप्ता ने पश्चिम बंगाल राज्य का प्रतिनिधित्व किया। वरिष्ठ वकील ने राज्य पुलिस सदस्यों के साथ एक विशेष जांच दल (एसआईटी) के गठन को रद्द करने और इसके बजाय मामले को सीबीआई को स्थानांतरित करने के फैसले पर सवाल उठाया।

जब अदालत ने पूछा कि मुख्य आरोपी शाहजहां शेख को कई दिनों तक गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया, तो गुप्ता ने जांच पर रोक का हवाला दिया।

योजना देशभर से लाखों लोग तकनीक के माध्यम से इस आयोजन से जुड़े

मोदी ने 112 राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को हरियाणा के गुरूग्राम में आयोजित एक कार्यक्रम में लगभग 112 करोड़ रुपये की लागत की देश भर की 112 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस मौके पर देशभर से लाखों लोग तकनीक के माध्यम से इस आयोजन से जुड़े। प्रधान मंत्री ने कहा कि आज देश ने आधुनिक 'कनेक्टिविटी' की दिशा में एक और बड़ा तथा महत्वपूर्ण कदम उठाया है। ऐतिहासिक द्वारका एक्सप्रेसवे के हरियाणा खंड को समर्पित करने पर खुशी व्यक्त करते हुए श्री मोदी ने कहा कि यह दिल्ली और हरियाणा के बीच यात्रा के अनुभव को हमेशा के लिए बदल देगा और इससे 'न केवल वाहनों के गीयर में बल्कि क्षेत्र

के लोगों के जीवन में भी बदलाव आएगा'। श्री मोदी ने परियोजनाओं के कार्यान्वयन की गति में तेजी लाने पर जोर देते हुए कहा कि इस वर्ष के तीन महीनों से भी कम समय में 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाएं या तो राष्ट्र को समर्पित की जा चुकी हैं या उनका शिलान्यास किया जा चुका है। आज एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की 100 से अधिक परियोजनाओं में दक्षिण में कर्नाटक, केरल और आंध्र प्रदेश की विकास परियोजनाएं शामिल हैं, उत्तर में उत्तर प्रदेश और हरियाणा से संबंधित विकास कार्य हैं, पूर्व में बंगाल और बिहार की परियोजनाएं शामिल हैं। पश्चिम से महाराष्ट्र, पंजाब और राजस्थान की प्रमुख परियोजनाएँ हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि इन परियोजनाओं में अमृतसर भटिंडा जामनगर कॉरिडोर में 540 किलोमीटर की वृद्धि और बेंगलुरु रिंग रोड का विकास शामिल है। प्रधानमंत्री ने समस्याओं से संभावनाओं की ओर बदलाव पर प्रकाश डालते हुए बुनियादी ढांचे के विकास पर जोर दिया। उन्होंने चुनौतियों को अवसरों में बदलने के महत्व को रेखांकित किया, जो उनके शासन की पहचान है। प्रधानमंत्री ने बाधाओं को विकास के रास्ते में बदलने की अपनी सरकार की प्रतिबद्धता के प्रमाण के रूप में द्वारका एक्सप्रेसवे का उदाहरण दिया। उन्होंने याद दिलाया कि पहले यह क्षेत्र जहां अब एक्सप्रेसवे बनाया गया है, असुरक्षित माना जाता था, लोग सूर्यास्त के बाद वहां जाने से बचते थे लेकिन अब यह कारपोरेट जगत के लिए एक केंद्र के रूप में कार्य कर रहा है। श्री मोदी ने द्वारका एक्सप्रेसवे के रणनीतिक महत्व पर प्रकाश डालत हुए कहा कि यह दिल्ली में इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को जोड़ता है। उन्होंने कहा कि ऐसी बुनियादी ढांचागत परियोजनाएं कनेक्टिविटी बढ़ाती हैं, जिससे आर्थिक गतिविधियों में तेजी आती है।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200450565, 9113374254

बालू माफिया की गिरफ्तारी से बौखलाए लालू: सुशील मोदी

पटना। पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने कहा कि बालू माफिया सुभाष यादव के परिसरों पर ईडी की कार्रवाई, नकद 02 करोड़ 30 लाख रुपये की बरामदगी और गिरफ्तारी से बौखलाए लालू प्रसाद गृह मंत्री अमित शाह पर अमर्यादित टिप्पणी कर रहे हैं। सुशील मोदी ने सोमवार को बयान जारी कर कहा कि चारा घोटाला के चार मामलों में सजायाफ्ता लालू प्रसाद की सत्ता चली गई लेकिन अहंकार की ऐंठन नहीं गई। इसलिए वे देश के गृहमंत्री को पहचानने से इनकार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद की मां के नाम पर बने मां मरछिया

देवी काम्प्लेक्स में राबड़ी देवी के तीन फ्लैट खरीदने वाले सुभाष यादव पर जब कानून का डंडा चला, दर्द माफिया को संरक्षण देने वालों को हुआ। सुभाष यादव ने 13 जून, 2017 को एक ही दिन में राबड़ी देवी के तीन फ्लैट 01 करोड़ 72 लाख रुपये में खरीद लिये थे। यह सौदा मनी लौंड्रिंग का मामला था, जिसकी जांच ईडी कर रही है।

मोदी ने कहा कि लालू परिवार का कालाधन सफेद करने में सहायक बने सुभाष यादव को राजद ने बदले में पिछली बार चतरा से लोकसभा का टिकट दिया था। इस बार टिकट बंटने से पहले उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने कहा कि सुभाष यादव की ब्राडसन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी सहित तीन कंपनियों को लालू प्रसाद का संरक्षण प्राप्त है। इनकी एक कंपनी वंशीधर कंस्ट्रक्शन प्रा. लिमिटेड गया में सढैल पहाड़ का अवैध खनन कर रही है।

सरकारी कार्य में बाधा डालने के मामले में पूर्व सांसद पप्पू यादव की अपील खारिज

पटना। बिहार में पटना की एक विशेष अदालत ने नाजायज मजमा बनाकर सरकारी कार्य में बाधा डालने के एक मामले में दोषी करार दिए गए पूर्व सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव की ओर से दाखिल की गई अपीलीय याचिका आज खारिज कर दी। सांसदों एवं विधायकों के आपराधिक मामलों की सुनवाई के लिए गठित सत्र अदालत के न्यायाधीश विनय प्रकाश तिवारी ने श्री यादव की ओर से दाखिल की गई अपील पर दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद उसे खारिज किए जाने का निर्णय सुनाया है।

महागठबंधन के 5 MLC प्रत्याशियों ने भरा पर्चा, लालू–तेजस्वी रहे मौजूद

पटना। बिहार विधान परिषद के लिए आज महागठबंधन के सभी 5 उम्मीदवारों ने पर्चा भर दिया। आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद भी इस दौरान मौजूद रहें। महागठबंधन की ओर से राबड़ी देवी, अब्दुलबारी सिद्दीकी, फैसल अली, उर्मिला ठाकुर और माले की शशि यादव ने नामांकन किया. बिहार विधान परिषद चुनाव के लिए महागठबंधन की ओर से सबसे पहले पूर्वसीएम राबड़ी देवी ने नामांकन पत्र दाखिल किया। राबड़ी के नामांकन भरने के बाद लालू यादव ने विक्ट्री साइन दिखाया। उसके बाद आरजेडी की ओर से अब्दुलबारी सिद्दीकी, प्रदेश राजद प्रवक्ता डॉ. उर्मिला ठाकुर एवं राजद के कार्यकारिणी सदस्य फैसल अली ने नामांकन भरा। वहीं माले की ओर से शशि यादव ने नामांकन पत्र दाखिल किया। इस दौरान कांग्रेस के समर्थक भी विधानसभा मेंमौजूद रहे और महागठबंधन के प्रत्याशियों का समर्थन किया। वहीं बीजेपी के प्रत्याशी भी मंगल पांडेय, अनामिका सिंह एवं लाल मोहन गुप्ता ने भी अपना नामांकन

दाखिल किया।

तेजस्वी यादव का बीजेपी सरकार पर गंभीर आरोप

तेजस्वी यादव ने कहा कि हम लोग महिला सशक्तिकरण की जो बात करते हैं, वह करके दिखाते हैं। बीजेपी सरकार पर बड़ा आरोप लगाते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि जो भी संवैधानिक संरचना है, उसे बर्बाद किया जा रहा है। जो भी संवैधानिक संस्थाएं हैं, उसको हाईजैक किया जा रहा है।

सामूहिक प्रयास से राज्य में दुर्घटना का जोखिम होगा कम: विजय कुमार चौधरी

पटना। बिहार सरकार में परिवहन विभाग के मंत्री विजय कुमार चौधरी की अध्यक्षता में सोमवार को मुख्य सचिवालय स्थित सभागार में बिहार सड़क सुरक्षा परिषद् की बैठक आयोजित की गई। इस मौके पर विजय चौधरी ने कहा सामूहिक प्रयास से राज्य में दुर्घटना का जोखिम कम होगा।

बैठक में सड़क सुरक्षा के लिए बिहार सड़क सुरक्षा परिषद् एवं विभिन्न स्टेक होल्डर विभागों द्वारा किये जा रहे कार्यों एवं योजनाओं की विभागवार समीक्षा की गई। बिहार सड़क सुरक्षा परिषद् द्वारा सड़क सुरक्षा को लेकर किये जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए परिवहन मंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा कि लक्ष्य हासिल करने के लिए सड़क सुरक्षा परिषद् सतत प्रयत्नशील है। आने वाले समय में यह परिषद् और भी प्रभावी ढंग से काम करेगा। उन्होंने कहा कि मानव जीवन में सड़क सुरक्षा अभिन्न रुप से जुड़ गया है। कई मुद्दे जो राज्य के लिए चुनौतीपूर्ण है, उनमें से सड़क सुरक्षा एक महत्वपूर्ण चुनौती के रूप में उभरा है। सड़क और परिवहन की सुविधाएं बढ़ने के साथ ही सड़क पर होने वाली दुर्घटनाओं का जोखिम भी बढ़ा है। इन चुनौतियों के बीच सड़क दुर्घटना को नियंत्रित करने की दिशा में बिहार सड़क सुरक्षा परिषद् प्रयासरत है। निश्चित रुप से सभी विभाग के सामूहिक प्रयास से राज्य में दुर्घटना का जोखिम न्यून होगा। बैठक के दौरान परिवहन सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने पावर-प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से सड़क सुरक्षा के लिए किये जा रहे प्रयासों के विषय में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2022 में सड़क दुर्घटनाओं में लगभग 14 प्रतिशत एवं मृत्यु में 16.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी। वहीं 2022 की तुलना में वर्ष 2023 में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में मात्र 2 प्रतिशत की वृद्धि हुई है तथा मृत्यु में भी कमी आयी है। सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़ों एवं तथ्यों का ऑन स्पॉट आईआरएडी/ईडीएआर में प्रविष्टि के लिए सभी थानों/ओपी के लिए 1220 स्मार्ट फोन पुलिस मुख्यालय को उपलब्ध कराया गया है। इसके जरिए सड़क दुर्घटनाओं के कारणों एवं अन्य विवरणी जैसे दुर्घटना स्थल का लोकेशन, दुर्घटना के कारण, पीड़ितों की संख्या इत्यादि की सटीक जानकारी अविलंब पोर्टल पर अपलोड की जायेगी। उन्होंने बताया कि यातायात उल्लंघन कर्ताओं पर नियंत्रण हेतु कंट्रोल एंड कमांड सेंटर जैसे आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। राजमार्गों पर सड़क दुर्घटनाओं की संख्या अधिक देखी गई है। इस लिहाज से सशक्त हाईवे पेट्रोलिंग के लिए वर्तमान वितीय वर्ष में इंटर सेप्टर सह हाईवे पेट्रोलिंग वाहनों के क्रय के लिए पुलिस मुख्यालय को राशि आवंटित की गई है।

15 मार्च को हो सकता है नीतीश कैबिनेट का विस्तार

पटना। सूबे में बीते लंबे समय से मंत्रिमंडल विस्तार पर लगा ब्रेक हट सकता है। 15 मार्च को नीतीश कैबिनेट का विस्तार हो सकता है। 14 मार्च तक विधान परिषद की 11 सीटों के चुनाव की औपचारिकता पूरी हो जाएगी। इसके बाद कैबिनेट विस्तार हो सकता है। 28 जनवरी को ही एनडीए सरकार बनी थी, लेकिन अब तक मंत्रिमंडल का विस्तार नहीं हो पाया है। कैबिनेट विस्तार में हो रही देरी को लेकर महागठबंधन लगातार नीतीश सरकार की घेराबंदी कर रहा है। अभी मौजूदा एनडीए सरकार में सीएम नीतीश को मिलाकर नौ मंत्री हैं। बीजेपी को अपने मंत्रियों की सूची फाइनल करने में देरी हुई है। बिहार विधानमंडल का बजट सत्र भी चल रहा था इसलिए मंत्रिमंडल विस्तार में देरी हुई है। विधानसभा सदस्यों की संख्या के हिसाब से मुख्यमंत्री सहित कुल 36 मंत्री बन सकते हैं। 27 मंत्रियों की वैकेंसी है। संभव है कि कुछ पद खाली रखे जाएं. वहीं लोकसभा चुनाव को देखते हुए मंत्रिमंडल विस्तार में जातीय समीकरण का ख्याल भी रखा जाएगा.

बीजेपी कोटे से अभी सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा, प्रेम कुमार मंत्री हैं. सम्राट और विजय सिन्हा डिप्टी सीएम भी हैं. दोनों के पास 9-9 विभाग है. बीजेपी भविष्य की सियासत को देखते हुए करीब 40 % नए चेहरों को मंत्रिमंडल में मौका दे सकती है जो युवा हैं. बाकी 60% फीसद पुराने चेहरों को मंत्रिमंडल में बीजेपी कोटे से रिपीट किया जा सकता है. सूत्रों के अनुसार बीजेपी इस बार नए चेहरों में श्रेयसी सिंह, नीतीश मिश्रा, पवन जायसवाल, हरिभूषण ठाकुर बचौल को मौका दे सकती है. पुराने चेहरों में से नारायण प्रसाद, रामसूरत राय, नितिन नवीन, रामप्रीत पासवान, जनक राम इत्यादि को मौका मिल सकता है. जेडीयू की बात करें तो नीतीश कुमार सीएम हैं. उनके पास गृह विभाग, सामान्य प्रशासन समेत कुछ और विभाग हैं. विजय चौधरी, विजेंद्र यादव, श्रवण कुमार भी जेडीयू कोटे से अभी मंत्री हैं. निर्दलीय विधायक सुमित सिंह भी जेडीयू कोटे से मंत्री हैं. सूत्रों के अनुसार मंत्रिमंडल विस्तार में नीतीश जेडीयू के ज्यादातर पुराने चेहरों को मंत्रिमंडल में रिपीट कर सकते हैं. दो नए चेहरों को मौका दे सकते हैं. नए चेहरे की बात करें तो महेश्वर हजारी की मंत्रीमंडल में वापसी हो सकती है. दामोदर रावत को भी मौका मिल सकता है. इस बार पुराने चेहरों में अशोक चौधरी, जमा खान, लेसी सिंह, जयंत राज, सुनील कुमार, रत्नेश सदा इत्यादि को मंत्रिमंडल में जगह मिल सकती है. वैसे चिराग पासवान लोकसभा चुनाव को लेकर गठबंधन के मुद्दे पर अपने पत्ते खोल नहीं रहे हैं. अंदरखाने से खबर आ रही है कि एनडीए में उनकी बात आखिरी दौर में चल रही है. वो एनडीए में रहकर चुनाव लड़ सकते हैं.

सीटों का बंटवारा कैसे होगा?

वहीं लोकसभा चुनाव को लेकर बिहार एनडीए में इसी हफ्ते सीट बंटवारा भी हो सकता है. बीजेपी चाहती थी कि चिराग पासवान और पशुपति पारस में सुलह हो जाए, लेकिन चाचा-भतीजा समझौता करने के मूड में नहीं हैं. वहीं वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी की भी एनडीए में एंट्री हो सकती है. बिहार में लोकसभा की 40 सीटें हैं. मुकेश सहनी एनडीए में आते हैं तो सूत्रों के अनुसार सीट शेयरिंग का फॉर्मूला यह हो सकता है कि बीजेपी 19 सीटों पर लड़े. पशुपति पारस, प्रिंस राज, चंदन सिंह बीजेपी के सिंबल पर लड़ सकते हैं. जेडीयू 14, चिराग की पार्टी एलजेपी आर 4+1 (राज्यसभा), जीतन राम मांझी एक, उपेंद्र कुशवाहा एक, मुकेश सहनी की पार्टी एक सीट पर लड़ सकती है. मुकेश सहनी एनडीए में नहीं आते हैं तो सूत्रों के अनुसार सीट शेयरिंग का फॉर्मूला यह हो सकता है- बीजेपी 19 सीटों पर लड़ सकती है जिसमें आरएलजेपी के पशुपति पारस, प्रिंस राज, चंदन सिंह बीजेपी के सिंबल पर लड़ सकते हैं. जेडीयू 15, चिराग की पार्टी LJP R 4+1 (राज्यसभा), हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा एक, आरएलएमल एक सीट पर लड़ सकती है.

M.S. MEMORIAL PUBLIC SCHOOL
BALGANGA, ARERAJ ROAD, MOTIHARI
Contact No.- 9939047109, 9431203674

पुलिसिया दबिश के कारण अमन एवं श्रवण ने कोर्ट में किया आत्मसमर्पण

पिछले 2 मार्च को नामजद अभियुक्त चंदन कुमार को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा था जेल अन्य आरोपियों के गिरफ्तारी के लिए लगातार कर रही थी छापेमारी

पकड़ीदयाल डीएसपी सुबोध कुमार के द्वारा की जा रही कार्रवाई से मृतक के परिजनों में न्याय की जगी आश न्याय के लिए दर-दर भटक रही थी मृतक की मां

पकड़ीदयाल। सत्यम कुमार उर्फ झुन्नू हत्याकांड के मामले में फरार चले आ रहे दो आरोपी अमन एवं श्रवण ने पताही पुलिस की बढ़ती दबिश के कारण गुरुवार को मोतिहारी कोर्ट में सरेंडर कर दिया। कोर्ट ने उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। बता दे की 6 मई 2023 को बेतौना पंचायत के गम्हरिया गाँव से रंगपुर बाजार पर जाने वाली मुख्य सड़क से पश्चिम 20 मीटर की दूरी पर गम्हरिया नाला किनारे मक्के के खेत से 16 वर्षीय युवक सत्यम कुमार उर्फ झुनू का शव बरामद किया गया। जिसकी पहचान गोनाही पंचायत के गुजरौल गांव निवासी स्वर्गीय अजय सिंह के 16 वर्षीय पुत्र सत्यम कुमार उर्फ झुन्नू के रूप में की हुई थी। 16 वर्षीय सत्यम कुमार उर्फ झुन्नू की हत्या की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। हत्या मामले में उसके स्वजनों ने सात लोगों के खिलाफ साजिश के तहत हत्या करने की आरोप लगाते हुए स्थानीय थाने में लिखित आवेदन देकर शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें पुलिस ने कांड संख्या 142/23 मामला दर्ज कर हत्या मामले में शामिल आरोपियों के गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही थी। लेकिन सभी नामजद आरोपी तकरीबन 11 माह से फरार चल रहा था। जिसमें 2 मार्च 2024 को गुप्त सूचना के आधार पर पताही थाना अध्यक्ष कैलाश कुमार के नेतृत्व में गठित टीम के द्वारा नामजद अभियुक्त चंदन कुमार को गिरफ्तार कर न्याय हिरासत मोतिहारी जेल भेज दिया गया था। इसके बाद पुलिस द्वारा आरोपियों के गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही थी। सत्यम उर्फ झुनू हत्याकांड के दो नामजद अभियुक्त अमन सिंह एवं श्रवण कुमार 7 मार्च गुरुवार को मोतिहारी न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया है।

वही इस संबंध में पकड़ीदयाल डीएसपी सुबोध कुमार ने बताया कि पिछले 2 मार्च को चंदन कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार बढ़ती पुलिसिया दबिश के कारण आरोपी अमन सिंह एवं श्रवण कुमार ने कोर्ट में सरेंडर किया है। वहीं अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने दबिश बनाना शुरू कर दिया है। या आरोपी पुलिसिया दबिश के कारण आत्मसमर्पण करेंगा। पुलिस अमन सिंह एवं श्रवण कुमार को रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी तथा पूरे घटनाक्रम की जानकारी भी ली जाएगी।

आग लगने से लाखों रुपये के समान जल कर राख

पकड़ीदयाल। अनुमंडल क्षेत्र के पताही प्रखंड स्थित जिहुली में आग लगने से एक घर जल गया। जिसके कारण लाखों रुपये का सामान जलकर खाक हो गई। आग लगने के बाद गांव में अफ़रा तफरी का माहौल कायम हो गया। हालांकि ग्रामीणों के द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। आग उक्त गांव निवासी बिंदु देवी के घर में लगी थी।विंदु देवी ने बताया कि रविवार देर रात अचानक आग लग गई। इस आग लगी की घटना में करीब 18 हजार रुपये कैश , दो क्विंटल गेहूं, तीन क्विंटल चावल, कपड़ा, बर्तन, जमीन का दस्तावेज, पलंग और लकड़ी सहित घर में रखे दो लाख से अधिक रुपये का सामान जलकर नष्ट हो गई। बिंदु देवी ने इस आगलगी की घटना को लेकर अंचल में आवेदन देकर मुआवजा के लिए अधिकारी से गुहार लगाई है। इस संबंध में अंचलाधिकारी नाजनी अकरम ने बताई कि जिहुली गांव के वार्ड संख्या 6 में आग लगने के वजह से घर जल गया। इस घटना करीब दो लाख का संपत्ति जला है। घटनास्थल का जांच करने के लिए कर्मचारियों को भेजा गया है। कर्मचारी के द्वारा रिपोर्ट देने के बाद मुआवजा के लिए जिला मुख्यालय भेजा जाएगा।

जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

संग्रामपुर। प्रखंड क्षेत्र के शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, दरियापुर में सोमवार को राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् की ओर से प्रायोजित महाविद्यालय के बहुउद्देशीय सभागार में क्रियात्मक शोध कार्य के जागरूकता के लिए एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ संस्थान की व्याख्याता डॉ. पम्मी कुमारी ने किया। प्रधानाध्यापकों और प्रशिक्षुओं ने शोध को बेहतर तरीके से करने पर चर्चा की। एस. सी. ई. आर. टी. के निदेशक सज्जन राजशेखर के दूरदर्शी नेतृत्व तथा शोध के कोऑर्डिनेटर स्नेहाशीष दास, एस. सी. ई. आर. टी. के मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। संस्थान के व्याख्याता डॉ. पम्मी कुमारी, व्याख्याता राजेश राम ने अपनी बात रखी। इस अवसर पर प्रधानाध्यपक भुवनेश्वर प्रसाद, अतेंद्र कुमार, पप्पू सिंह आदि मौजूद थे। संस्थान के द्वितीय वर्ष के प्रशिक्षु रवि कुमार सिंह, प्रणव कुमार, मो. मेराज आलम, तमन्ना खातून एवं प्रथम वर्ष के प्रशिक्षु कालिंदी कुमारी एवं नीरकला कुमारी आदि ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

थानाध्यक्ष के नेतृत्व में की गई वाहन जाँच

बीएनएम@केसरिया। एसएच 74 केसरिया-खजुरिया सड़क मार्ग के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के समीप सोमवार को थानाध्यक्ष के नेतृत्व में सघन वाहन जाँच किया गया। जिससे बिना हेलमेट, आरसी आदि के सफर करने वाले लोगों में हड़कंप मच गया। थानाध्यक्ष उदय कुमार ने बताया कि होली पर्व में शराब तस्करी आदि पर नकेल कसने को लेकर वाहन जाँच किया गया। दर्जनों बिना हेलमेट के सफर करने वाले बाइक चालकों का चालान काटा गया। वहीं कार सहित अन्य चार पहिया वाहन की डिक्की, सीट आदि की तलाशी ली गई। उन्होंने बताया कि यह जाँच अभियान आगे भी जारी रहेगा। बिना हेलमेट व आरसी के बाइक चलाने वालों की खैर नहीं है। जाँच के दौरान पीएसआई राजीव रंजन सहित पुलिस बल मौजूद थे।

राजद द्वारा पंचायत स्तरीय जनविश्वास कार्यक्रम का किया गया आयोजन

बीएनएम@केसरिया। राजद द्वारा पंचायत स्तर पर जनविश्वास कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है । इसके माध्यम से पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के कार्यकाल में किये गए जनहित कार्यों को आमलोगों को बताया जा रहा है। इस कड़ी में सोमवार को प्रखण्ड क्षेत्र के पूर्वी सुन्दरापुर में कार्यक्रम आयोजित हुआ। संबोधित करते हुए राजद के राज्य परिषद सदस्य अवधेश यादव ने कहा कि पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने जनहित में कई कार्य किये। जिसकी बदौलत आज वे जनता के बीच जा रहे हैं। कहा कि जब जब राजद की सरकार बनी सभी वर्ग व समुदाय के उत्थान के लिए कार्य किया गया। राजद द्वारा किये गए विकासात्मक कार्यों को वर्तमान राज्य सरकार आगे बढ़ाने में पूरी तरह विफल है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं

से राजद द्वारा किये गए जनहित कार्यों की जानकारी लोगों तक पहुँचाने की अपील की। कार्यक्रम को अन्य वक्ताओं ने भी संबोधित किया। मौके पर युवा राजद प्रखण्ड अध्यक्ष प्रमोद यादव, अमरेंद्र प्रसाद यादव, कृष्णदेव प्रसाद यादव, दिनेश यादव, असफाक खान, प्रमोद कुमार रजक, राजन कुमार यादव, नवीन कुमार शर्मा, राजेश्वर राय, दिलीप यादव, राजन कुमार पासवान सहित अन्य मौजूद थे।

मोतिहारी एसपी ने भष्ट्राचार के आरोप में तीन पीएसआई को किया निलंबित

मोतिहारी। जिले के छतौनी थाना में तैनात तीन पीएसआई पर एसपी कांतेश कुमार मिश्रा ने कार्रवाई करते हुए सोमवार को निलंबित कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार एसपी कांतेश मिश्रा को शिकायत मिली कि छतौनी थाना के तीन पीएसआई ने पैसा लेकर किसी अपराधी को छोड़ दिया है।

जिसके बाद एसपी ने सिकरहना डीएसपी अशोक कुमार के नेतृत्व में टीम बनाकर जांच के निर्देश दिये। जांच में तीनो पीएसआई पर लगे आरोप सत्य पाया गया। जिसकी रिपोर्ट मिलने के बाद एसपी ने तीनों पीएसआई को निलंबित कर दिया है। उक्त कारवाई 2021-2022 बैच के तीन पीएसआई शिवजी पासवान, कृष्ण मोहन और जाहिद अख्तर के विरूद्ध हुई है। बताया गया कि तीनो ने किसी अपराधी को पकड़कर थाने लाये और पैसा लेकर छोड़ दिया।

उल्लेखनीय है,कि इस मामले को लेकर अभी जांच जारी है। जिसकी विस्तृत रिपोर्ट आने के बाद अग्रेतर कारवाई की जायेगी। इस मामले में एसपी कांतेश कुमार मिश्रा ने सख्त आदेश देते कहा है,कि सभी पुलिस कर्मी और पदाधिकारी पर सख्त नजर रखी जा रही है,किसी ने भी गड़बड़ी करने का प्रयास किया तो उनके विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जायेगी।

17 दिव्यांगजनों को मिली बैट्री चालित ट्राईसाईकिल

मोतिहारी। मुख्यमंत्री दिव्यांगजन सशक्तिकरण योजना अंतर्गत 17 दिव्यांगजनों को बैट्री से चलने वाली ट्राईसाईकिल हेलमेट के साथ प्रदान की गई। इन लाभुकों मे विभिन्न प्रखंडों के लाभुक शामिल हुए। ज्ञातव्य हो कि इस योजना अंतर्गत पूर्वी चम्पारण जिले को 2022- 23 में 353 बैट्री चालित ट्राईसाईकिल आवंटित करने का लक्ष्य प्राप्त था, जिसे जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता मे गठित जिला स्तरीय स्क्रीनिंग समिति द्वारा शत प्रतिशत स्वीकृति दी गयी है1 साथ ही वर्ष 2023-24 में 228 बैट्री चालित ट्राइसाइकिल की स्वीकृति अभी तक दी जा चुकी है। अब तक जिले में 489 बैट्री चालित ट्राइसाइकिल का वितरण किया जा चुका है। सभी Tricycle का वितरण चरणबद्ध तरीके से जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण कोषांग के द्वारा किया जा रहा है. उक्त कड़ी में आज 17 बैट्री चालित

ट्राइसाइकिल का वितरण बुनियाद केन्द्र सदर मोतिहारी से

सहायक निदेशक, दिव्यांगजन सशक्तिकरण कोषांग एवं जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी सह नोडल स्वीप कोषांग द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। इ स अवसर पर बुनियाद केन्द्र एवं जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण कोषांग के सभी कर्मीगण मौजूद थे ।स रकार दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है तथा विभिन्न योजनाओं को धरातल पर उतारकर दिव्यांगजनों के राह को आसान किया जा रहा है। सरकार की इस महत्वकांक्षी योजना के तहत बैट्री चालित ट्राईसाईकिल उपलब्ध करायी जा रही है। बैट्री चालित ट्राईसाईकिल के प्राप्त हो जाने से दिव्यांगजनों को रोजगार एवं शिक्षा ग्रहण में आसानी हो जाएगी तथा अपने कार्यस्थल / महाविद्यालय इत्यादि जगह पर आसानी से पहुँच सकेंगे। इच्छुक दिव्यांगजन आनलाईन आवेदन कर इस योजना का लाभ ले सकते हैं। योजना का लाभ पात्रता पूर्ण करने वाले आवेदनो में पहले आओ, पहले पाओं के आधार पर दिया जा रहा है। उक्त कार्यक्रम में आगामी लोकसभा आम निर्वाचन- 2024 में सुयोग्य दिव्यांगजन भारतीय नागरिक की सहभागिता एवं जागरूकता हेतु चुनाव बूथों पर प्रदत्त सुविधाएँ (AMF) यथा व्हील चेअर, रैम्प, ब्रेल लिपि में उकेरी गयी ईवीएम पर दिशा निर्देश एवं सक्षम एप के बारे में जानकारी प्रदान किया गया ताकि उनकी लोकतंत्र में मजबूत भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। साथ ही बताया गया कि Election Commission Of India (ECI) द्वारा सक्षम एप्प के माध्यम से दिव्यांगजनों हेतु उचित संसाधनों की व्यवस्था की गई है। साथ ही दिव्यांगजनों को बेहतर भागीदारी एवं भयमुक्त मतदान हेतु प्रेरित किया गया।

आवेदन हेतु पात्रता

https://online.bih.nic.in/SWF/SWFTC/Register.aspx उपरोक्त लिंक पर आवेदक अपना आवेदन आनलाईन कर सकते है। यह योजना ऐसे छात्र- छात्रा या रोजगार कर रहे 18 वर्ष से अधिक उम्र के 60%से अधिक चलंत दिव्यांगता वाले व्यक्तियों के लिए है जिनके आवासन से महाविद्यालय/विश्वविद्यालय/रोजगार स्थल की दूरी 3 कि0मी0 या अधिक हो। इसके अतिरिक्त आय की सीमा चालू सत्र के लिए 2 लाख रूपये तक रखी गयी है। आवेदक बिहार का स्थायी निवासी होना जरूरी है तथा वर्तमान में भी बिहार में आवासित हो।

तस्करी मामले में एक को पांच साल की सश्रम कारावास

मोतिहारी। शराब तस्करी के एक मामले की सुनवाई करते हुए उत्पाद के विशेष न्यायाधीश सीमा भारती ने एक आरोपी को दोषी करार दिया है तथा पांच साल की सश्रम करावास सहित एक लाख रुपए जुर्माना भरने का आदेश दिया है जुर्माना नहीं भरने पर छः महीने का अतिरिक्त सजा भुगतने का आदेश दिया है। बीते 15नवम्बर 2022 को गुप्त सूचना के आधार पर तुरकौलिया थानाध्यक्ष ने मंझरिया गांव के पास गाड़ी की तलाशी ली इस दौरान एक व्यक्ति के मोटरसाइकिल पर बोरा में रखे 165 लिटर पाउच बरामद किया गया पुछने पर उक्त व्यक्ति चंदन कुमार मांझी खैरवा थाना बंजरिया निवासी बताया। जिसके आधार पर तुरकौलिया थाना काण्ड संख्या 1091/22 दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया गया न्यायालय द्वारा आरोप गठित कर मामले की सुनवाई किया गया अभियोजन पक्ष ने विशेष लोक अभियोजक अनिल कुमार सिंह ने साक्ष्य प्रस्तुत करते हुए पक्ष रखा दोनों पक्षों का दलीलें सुनने के बाद न्यायालय ने उक्त फैसला सुनाया है।

समाचार भेजें
किसी भी प्रकार का समाचार, विचार एवं विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें– 9471060219
ई-मेल भेजें
bordernewsmirror@gmail.com

खराब चापाकलों की युद्धस्तर पर करायें मरम्मति : जिलाधिकारी

जिलेवासियों को पेयजल की समस्या से जूझना नहीं पड़े

खराब चापाकल के बारे में पीएचईडी कार्यालय, कंट्रोल रूम के दूरभाष संख्या-06254-295145 पर दे सकते हैं जानकारी

बेतिया। गर्मी के मौसम में जिलेवासियों को पेयजल की समस्याओं से जूझना नहीं पड़े, इस हेतु जिला प्रशासन द्वारा कार्रवाई प्रारंभ कर दी गयी है। जिले के सार्वजनिक स्थलों पर खराब पड़े चापाकलों को युद्धस्तर पर ठीक कराने की कार्रवाई आज से प्रारंभ कर दी गयी है। लोक स्वास्थ्य प्रमंडल, बेतिया के तत्वाधान में सभी आवश्यक उपस्करों एवं अभियंताओं, कामगारों से लैश चापाकल मरम्मति दल जिलान्तर्गत सभी प्रखंडों के गांव-गांव में जाकर खराब पड़े चापाकलों को युद्धस्तर पर ठीक करेगा। जि लाधिकारी दिनेश कुमार राय ने समाहरणालय परिसर से चापाकल मरम्मति दल वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। चापाकल मरम्मति दल वाहन में सभी आवश्यक उपस्करों के साथ अभियंताओं, कामगारों की टीम उपस्थित रहेगी, जो खराब पड़े चापाकल की मरम्मति कर सुचारू करने का कार्य करेगी। जिले के सभी प्रखंडों के लिए अलग-अलग चापाकल मरम्मति दल हैं। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कार्यपालक अभियंता, पीएचईडी से कहा कि जिलेवासियों को गर्मी के मौसम में पेयजल की परेशानी नहीं हो, इसका विशेष ख्याल रखें तथा जिले के सभी सरकारी चापाकलों को अविलंब फंक्शनल करें तथा नियमित रूप से फंक्शनालिटी की निगरानी करते रहें। साथ ही नल-जल योजना

के तहत लाभुकों को हर हाल में पानी दिलाना सुनिश्चित किया जाय। जिन स्थलों पर नल का जल नहीं पहुंचता हो एवं चापाकलों में पानी की कमी हो जाय, वहां आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा पेयजल संकट से निपटने हेतु निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार टैंकरों के माध्यम से पेयजल पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित करायी जाय। उ न्होंने निर्देश दिया कि आमजनों द्वारा खराब चापाकलों की सूचना देने पर त्वरित गति से कार्रवाई करते हुए, चापाकल को ठीक करायें तथा पेयजल सुचारू करायें। इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही एवं कोताही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। क ार्यपालक अभियंता, लोक स्वास्थ्य प्रमंडल, बेतिया द्वारा बताया गया कि जिले के सभी 18 प्रखंडों के लिए एक-एक मरम्मति दल आज से भ्रमणशील रहकर खराब चापाकलों को दुरूस्त करेगा तथा पेयजल सुचारू करेगा। उन्होंने बताया कि मरम्मति दल में एक मिस्त्री, 02 हेल्पर आवश्यक संसाधनों यथा-पलंजर, चेक वॉल्ब, बफेट, वासर, नट-वोल्ट, हेड, हैंडिल सहित अन्य सामग्रियों के साथ पूरी तरह मुस्तैद रहकर खराब सरकारी चापाकलों को ठीक करेंगे।

उन्होंने बताया कि खराब चापाकलों के बारे में आम जनमानस लोक स्वास्थ्य प्रमंडल, बेतिया के कार्यालय में संचालित कंट्रोल रूम के दूरभाष संख्या-06254-295145 पर जानकारी दे सकते हैं। त्वरित गति से कार्रवाई करते हुए चापाकल को दुरूस्त कराया जायेगा।

इसके साथ ही प्रखंड में कार्यरत कनीय अभियंता एवं मरम्मति दल के मोबाईल नंबर पर संपर्क कर जानकारी दी जा सकती है। उन्होंने बताया कि बेतिया प्रखंड के लिए मरम्मति दल के मुखिया का नाम-राकेश कुमार (7970430117), सिकटा प्रखंड के लिए मरम्मति दल के मुखिया का नाम-दिलीप पासवान (9622517820), मैनाटांड़ प्रखंड के लिए मरम्मति दल के मुखिया का नाम-महेन्द्र यादव (7494023254), लौरिया प्रखंड के लिए मरम्मति दल के मुखिया का नाम-ढ़ोरा यादव (8292442709), नौतन प्रखंड के लिए मरम्मति दल के मुखिया का नाम-मोहन राम (7561971511), मझौलिया प्रखंड के लिए मरम्मति दल के मुखिया का नाम-आकाश कुमार (7979806361), बैरिया प्रखंड के लिए मरम्मति दल के मुखिया का नाम-मुकेश कुशवाहा (9304459027), योगापट्टी प्रखंड के लिए मरम्मति दल के मुखिया का नाम-सुरेन्द्र कुशवाहा (9801965245), रामनगर प्रखंड के लिए मरम्मति दल के मुखिया का नाम-भरत कुशवाहा (9572749845), बगहा-02 प्रखंड के लिए मरम्मति दल के मुखिया का नाम-मदन कुमार (8709762156), पिपरासी प्रखंड के लिए मरम्मति दल के मुखिया का नाम-मुकेश यादव (9931560482), बगहा-01 प्रखंड के लिए मरम्मति दल के मुखिया का नाम-दिलीप कुशवाहा (9934431187), ठकराहां प्रखंड के लिए मरम्मति दल के मुखिया का नाम-राधाकिशुन राम (9798666173), मधुबनी प्रखंड के लिए मरम्मति दल के मुखिया का नाम-संजय कुमार (6200369268), भितहां प्रखंड के लिए मरम्मति दल के मुखिया का नाम-संतोष राम (6300537791), चनपटिया प्रखंड के लिए मरम्मति दल के मुखिया का नाम-राजन यादव (9060354153), नरकटियागंज प्रखंड के लिए मरम्मति दल के मुखिया का नाम-वृझन प्रसाद कुशवाहा (8809310320) एवं गौनाहा प्रखंड के लिए मरम्मति दल के मुखिया का नाम-श्री बाबु साहेब तिवारी (9931641712) है। कनीय अभियंता अविनाश कुमार के मोबाईल संख्या-9471677598 पर बेतिया, सिकटा, मैनाटांड़ एवं लौरिया प्रखंड के लोग खराब सरकारी चापाकल को ठीक कराने के लिए संपर्क कर सकते हैं। इसके साथ ही श्याम बाबु राय के मोबाईल संख्या-7464099378 पर नौतन एवं मझौलिया प्रखंड, आशुतोष कुमार के मोबाईल संख्या-9829808844 पर बैरिया एवं योगापट्टी प्रखंड, श्याम सुंदर कुमार के मोबाईल संख्या-8789229142 पर रामनगर, बगहा-02 एवं पिपरासी प्रखंड, अजीत कुमार के मोबाईल संख्या-7903569167 पर बगहा-01, ठकराहां, मधुबनी एवं भितहां प्रखंड, नीतीश कुमार के मोबाईल संख्या-9162409877 पर चनपटिया तथा मो0 शहाबुद्दीन के मोबाईल संख्या-7739324986 पर नरकटियागंज एवं गौनाहा प्रखंड के आमजन खराब चापाकल को ठीक कराने हेतु संपर्क कर सकते हैं। इस अवसर पर जिला परिवहन पदाधिकारी ललन प्रसाद, विशेष कार्य पदाधिकारी, जिला गोपनीय शाखा, सुजीत कुमार, कार्यपालक अभियंता, लोक स्वास्थ्य प्रमंडल, बेतिया, दीपक कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बहुसंख्यकवादी राष्ट्रवाद : वैज्ञानिक समझ का नकार

हिन्दू राष्ट्रवादी भारतीय जनता पार्टी के पिछले एक दशक से चले आ रहे शासन के दौरान हमारे देश में शिक्षा के क्षेत्र में ऐसे परिवर्तन किए गए हैं जो आस्था पर अधिक आधारित हैं और तर्क पर कम। ये परिवर्तन ऐसे हैं जो अतीत का महिमामंडन करते हैं और वैज्ञानिक सोच का नकार। तथ्य यह है कि भारत में प्राचीन काल से ही तार्किकता को महत्व दिया जाता रहा है। चार्वाक तार्किकता पर आधारित सोच के बड़े पैरोकारों में से एक थे। चरक और आर्यभट्ट ने चिकित्सा विज्ञान और खगोल शास्त्र के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया।
मगर आज जो दावे किए जा रहे हैं उनका सच्चाई से कोई संबंध नजर नहीं आता। जैसे हमें बताया जा रहा है कि प्राचीन भारत में प्लास्टिक सर्जरी थी और इसी का उपयोग कर मनुष्य के धड़ पर हाथी का सिर लगाकर भगवान गणेश का सृजन किया गया था। इसी तरह हमें बताया जाता है कि कर्ण के कान से पैदा होने की कथा से यह स्पष्ट है कि प्राचीन भारत में जेनेटिक साईन्स भी थी। यह भी बताया जाता है कि हमारे प्राचीन ऋषि-मुनि हवा में उड़ सकते थे और यह भी कि प्राचीन काल में पुष्पक विमान थे। कहा तो यहाँ तक जाता है कि प्राचीन भारतीय दूसरे ग्रहों पर भी जाते थे।

राम पुनियानी

हिन्दू राष्ट्रवादी भारतीय जनता पार्टी के पिछले एक दशक से चले आ रहे शासन के दौरान हमारे देश में शिक्षा के क्षेत्र में ऐसे परिवर्तन किए गए हैं जो आस्था पर अधिक आधारित हैं और तर्क पर कम। ये परिवर्तन ऐसे हैं जो अतीत का महिमामंडन करते हैं और वैज्ञानिक सोच का नकार। तथ्य यह है कि भारत में प्राचीन काल से ही तार्किकता को महत्व दिया जाता रहा है। चार्वाक तार्किकता पर आधारित सोच के बड़े पैरोकारों में से एक थे। चरक और आर्यभट्ट ने चिकित्सा विज्ञान और खगोल शास्त्र के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

मगर आज जो दावे किए जा रहे हैं उनका सच्चाई से कोई संबंध नजर नहीं आता। जैसे हमें बताया जा रहा है कि प्राचीन भारत में प्लास्टिक सर्जरी थी और इसी का उपयोग कर मनुष्य के धड़ पर हाथी का सिर लगाकर भगवान गणेश का सृजन किया गया था। इसी तरह हमें बताया जाता है कि कर्ण के कान से पैदा होने की कथा से यह स्पष्ट है कि प्राचीन भारत में जेनेटिक साईन्स भी थी। यह भी बताया जाता है कि हमारे प्राचीन ऋषि-मुनि हवा में उड़ सकते थे और यह भी कि प्राचीन काल में पुष्पक विमान थे। कहा तो यहाँ तक जाता है कि प्राचीन भारतीय दूसरे ग्रहों पर भी जाते थे। धर्मग्रन्थों में जो कुछ कहा गया है उसे सही और सच सिद्ध करने के प्रयास हो रहे हैं।

ऐसी चीजें स्कूलों में तो सिखाई ही जा रही हैं उन पर अनुसंधान के लिए बजट भी आवंटित किया जा रहा है। यह बजट विज्ञान एवं टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में अनुसंधान के लिए निर्धारित धनराशि में से उपलब्ध करवाया जा रहा है। आईआईटी दिल्ली के समन्वय में पंचगव्य पर अनुसंधान हो रहा है। पंचगव्य, गाय के पाँच उत्पादों का मिश्रण होता है- दूध, दही, घी, गौमूत्र एवं गोबर। ऐसा कहा जाता है कि पंचगव्य से कई रोगों का इलाज हो सकता है। गौमूत्र को भी दवा बताया जा रहा है। भाजपा सरकार आने के पहले भी पार्टी के पितृसंगठन आरएसएस ने आस्था पर आधारित ज्ञान के प्रसार के लिए कई संगठन गठित किए थे।

दीनानाथ बत्रा नाम के एक सज्जन आरएसएस के दो अनुषांगिक संगठनों, शिक्षा बचाओ अभियान समिति एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के कई दशकों से अध्यक्ष हैं। उन्होंने 9 किताबें लिखी हैं। इन सभी का गुजराती में अनुवाद कर उन्हें गुजरात के 42,000 स्कूलों में पढ़ाया जा रहा है। इन पुस्तकों को पढ़कर हम यह जान सकते हैं कि बच्चों को इन दिनों क्या सिखाया जा रहा है। इनमें से एक

पुस्तक जिसका शीर्षक है 'तेजोमय भारत' में एक कोई डॉक्टर बालकृष्ण गणपत मातापुरकर के अनुसंधान की कहानी सुनाई गई है। हमें बताया गया है कि मातापुरकर जी महाभारत में कही गई बातों पर अनुसंधान करते हैं। उनके अनुसार गांधारी के गर्भ से माँस का एक बड़ा लोथड़ा निकला। इस पर ऋषि द्वापायन व्यास को बुलाया गया। उन्होंने माँस के इस कड़े लोथड़े का अवलोकन किया फिर उन्होंने उसे ठंडे पानी में कुछ विशिष्ट दवाओं के साथ रख दिया। कुछ समय बाद उन्होंने इस लोथड़े के 100 टुकड़े किए और उन्हें दो साल की अवधि के लिए घी से भरे हुए 100 मटकों में रख दिया। दो साल बाद इन टुकड़ों से 100 कौरवों का जन्म हुआ। पुस्तक हमें बताती है कि इस विवरण को पढ़ने के बाद मातापुरकर को यह समझ में आया कि स्टेम सेल टेक्नोलॉजी महाभारत काल में मौजूद थी और यह हमारी प्राचीन विरासत का हिस्सा है।

उनके अनुसार, भारतीय ऋषि अपनी योग विद्या का इस्तेमाल कर दिव्य दृष्टि प्राप्त कर लेते थे और यही आज का टेलीविजन है। महाभारत में संजय, हस्तिनापुर के एक महल में बैठकर अपनी दिव्य दृष्टि से कुरूक्षेत्र में चल रहे महाभारत के युद्ध का आंखो-देखा हाल धृतराष्ट्र को सुनाता था, जो कि अंधे थे (पृष्ठ 64)। पुस्तक हमें यह भी बताती है कि आज जिसे हम मोटर कार कहते हैं वह वैदिक काल में मौजूद थी और उसे अनश्व रथ (अर्थात बिना अश्व वाला रथ) या यंत्र रथ कहा जाता था। ऋग्वेद में इसका वृतांत दिया गया है (पृष्ठ 60)।

आरएसएस ने एक परामर्शदात्री संस्था का गठन भी किया है जिसे भारतीय शिक्षा नीति आयोग कहा जाता है। इस आयोग की नीतियाँ ही मोदी सरकार के भारतीय शिक्षा व्यवस्था में सुधार के प्रयासों का आधार हैं। शिक्षा नीति आयोग, भारत की शिक्षा व्यवस्था का 'भारतीयकरण' करना चाहता है।

अब तो भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद (आईसीएचआर), राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान व प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) आदि के मुखिया ऐसे लोग हैं जिनका इन संस्थाओं के कार्यक्षेत्र से कोई लेना देना नहीं है। उन्हें ये पद केवल इसलिए दिए गए हैं क्योंकि वे सत्ताधारी दल की विचारधारा में यकीन रखते हैं।

वाई. सुदर्शन नाम के एक 'विद्वान' को भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद का मुखिया बनाया गया था। वे यह साबित करने पर आमादा थे कि हमारे महाकाव्य रामायण और महाभारत ऐतिहासिक घटनाक्रम का वर्णन करते हैं। मतलब यह है कि जो महाभारत और रामायण में लिखा गया है वह सचमुच हुआ था। इस सरकार में तार्किक सोच और वैज्ञानिक पद्धति के लिए कोई जगह नहीं है। सरकार बाबा रामदेव को जमकर बढ़ावा दे रही है। बाबा रामदेव की कंपनी द्वारा बनाई गई एक दवा कोरोनिल को कोविड-19 का इलाज बताया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने अभी हाल में रामदेव को चेतावनी दी है कि वे अपने विज्ञापनों में हवाई दावे न करें और दूसरी चिकित्सा पद्धतियों को कटघरे में खड़ा न करें।

पिछले कुछ सालों से भारतीय विज्ञान कांग्रेस प्रकाशन के लिए ऐसे शोध प्रबंध स्वीकार कर रही है जिनका कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है और जो केवल पौराणिक कथाओं पर आधारित हैं। इस स्थिति से व्यथित होकर कुछ प्रमुख वैज्ञानिकों ने एक साथ मिलकर एक संयुक्त बयान जारी किया है, जिसमें सरकार से यह अनुरोध किया गया है कि वह वैज्ञानिक सोच और वैज्ञानिक पद्धतियों को कमज़ोर करने से बाज़ आये। वैज्ञानिकों का कहना है कि ''सरकार का यह दृष्टिकोण उसके द्वारा अवैज्ञानिक एवं अपुष्ट दावों को बढ़ावा देने, भारत के प्राचीन ज्ञान को बढ़ाचढ़ाकर बताने और कोविड-19 महामारी के दौरान किए गए कुछ निर्णयों से स्पष्ट है।''

वक्तव्य में इस बात पर जोर दिया गया है कि वैज्ञानिक, शिक्षाविद और नीति निर्माता एक साथ मिलकर विज्ञान के प्रति निष्ठा में क्षरण को रोकने व देश में वैज्ञानिक सोच और तार्किक व साक्ष्य-आधारित आख्यान को बढ़ावा देने के लिए कार्य करें।हमारा संविधान राज्य से यह अपेक्षा करता है कि वह वैज्ञानिक समझ को बढ़ावा दे। मगर वर्तमान सरकार की नीतियाँ, तार्किकता पर आधारित नहीं हैं। यह बात न केवल विज्ञान और वैज्ञानिक अनुसंधान वरन् शिक्षा और सामाजिक क्षेत्र के बारे में भी सही है। नई शिक्षा नीति 2020 में 'भारतीय ज्ञान प्रणालियों' पर ज़ोर दिया गया है। इसका मतलब केवल यह है कि सरकार भौतिक व सामाजिक विज्ञानों में आस्था पर आधारित ज्ञान को बढ़ावा देगी।वे लोग जो समाजिक समानता चाहते हैं और सामाजिक परिवर्तन के हामी हैं, हमेशा से तार्किक व वैज्ञानिक सोच के पैरोकार रहे हैं। गौतम बुद्ध, भगत सिंह, अम्बेडकर और नेहरू इसके उदाहरण हैं। भारत का इतिहास गवाह है कि जो लोग सामाजिक रिश्तों में यथास्थिति बनाये रखना चाहते थे, जो लोग असमानता को बनाए रखना चाहते थे, वे आस्था पर आधारित ज्ञान को बढ़ावा देते थे, पौराणिक कथाओं को ध्रुवसत्य बताते थे और आस्था पर आधारित ज्ञान को समाज पर थोपते थे। साम्प्रदायिक और कट्टरवादी तत्व टेक्नोलॉजी को पसंद नहीं करते। वे वैज्ञानिक और तार्किक सोच के भी विरोधी होते हैं। हमारा संविधान औपनिवेशिक सत्ता के विरूद्ध संघर्ष से उभरा था और इसके निर्माता समाज में बदलाव के हामी थे। इसलिए संविधान में वैज्ञानिक समझ को बढ़ावा देने की जिम्मेदारी सरकार पर डाली गई है। हमारी वर्तमान सरकार, धार्मिक, जातिगत और लैंगिक समानता की विरोधी है। यही कारण है कि वह संविधान की मूल आत्मा के खिलाफ है।

अनेक प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों ने जो बयान जारी किया है वह स्वागत योग्य है। भारत के लिए यह जरूरी है कि वह विवेक, तर्क और वैज्ञानिक समझ को अपनी नीतियों का आधार बनाये।

(अंग्रेजी से रूपांतरण अमरीश हरदेनिया; लेखक आईआईटी मुंबई में पढ़ाते थे और सन 2007 के नेशनल कम्यूनल हार्मोनी एवार्ड से सम्मानित हैं)

संपादकीय

ट्रंप एक परिघटना हैं

डॉनल्ड ट्रंप अमेरिकी व्यवस्था में जमीनी स्तर पर हुए बदलावों से बनी परिस्थितियों के परिणाम के रूप में उभरे हैं। राज्य-व्यवस्था के प्रति बढ़ते गए जन असंतोष को उन्होंने गोलबंद किया है। इसीलिए ट्रंपिज्म एक मजबूत परिघटना बनी हुई है।पहले से भी कोई शक नहीं था, लेकिन सुपर ट्यूजडे ने इस बात की पुष्टि कर दी है कि डॉनल्ड ट्रंप अब अमेरिका में रिपब्लिकन पार्टी के निर्विविद नेता हैं। जिसे अमेरिकी राजनीति में ट्रंपिज्म (ट्रंपवाद) कहा जाता है, वही अब इस पार्टी की विचारधारा या पहचान है। सुपर ट्यूजडे को ट्रंप ने राष्ट्रपति चुनाव में पार्टी की उम्मीदवारी की होड़ में बचीं अकेली प्रतिद्वंद्वी निकी हेली पर एकतरफा जीत हासिल की।अमेरिकी चुनाव के क्रम में मार्च के पहले मंगलवार को सुपर ट्यूजडे कहा जाता है। इसका खास महत्त्व होता है, क्योंकि इस रोज एक साथ 15 राज्यों में प्राइमरी (उम्मीदवार चुनने के लिए मतदान) का आयोजन होता है। कहा जा सकता है कि इस वर्ष पांच मार्च को ट्रंप की उम्मीदवारी पर रिपब्लिकन पार्टी की मुहर लग गई है। अब यह लगभग तय है कि अगले पांच नवंबर को उनका सीधा मुकाबला राष्ट्रपति जो बाइडेन से होगा। अभी जो संकेत हैं, उनके मुताबिक तो उस मुकाबले में भी उनकी स्थिति का काफी मजबूत दिख रही है। छह में से पांच स्विंग राज्यों के जनमत सर्वेक्षणों में वे बाइडेन से आगे चल रहे हैं।ये वो छह राज्य हैं, जिन्होंने पिछले तीन चुनावों में पाला बदला है। उम्मीदवार चुनने की अब तक चली प्रक्रिया और ताजा जनमत सर्वेक्षणों से साफ है कि ट्रंप 2016 में अचानक एक उल्का की तरह सामने नहीं आ गए थे। बल्कि वे अमेरिकी अर्थव्यवस्था एवं राजनीतिक जमीन में हुए बदलावों से बनी परिस्थितियों के परिणाम के रूप में उभरे। राज्य-व्यवस्था के प्रति बढ़ते गए जन असंतोष को उन्होंने गोलबंद किया।चूंकि यह असंतोष और भी बढ़ता गया है, इसलिए ट्रंपिज्म एक मजबूत परिघटना बनी हुई है। यानी अमेरिका में जो नए माली और सियासी हालत बने, उनकी वजह से ट्रंप जैसी चरमपंथी सोच जमीनी स्तर पर व्यापकता एवं गहराई हासिल करती चली गई है। इसके बीच डॉनल्ड ट्रंप अगर परिदृश्य से हट जाएं, तो संभव है कि उनसे भी ज्यादा चरमपंथी रुख वाला कोई नेता उभर आएगा।

राजनीति...

सवालों के घेरे में

भारतीय स्टेट बैंक ने इलेक्ट्रॉल बॉन्ड संबंधी याचिका देकर सुप्रीम कोर्ट के सामने भी अग्निपरीक्षा जैसी स्थिति खड़ी कर दी है। कोर्ट के सामने अब अपने निर्णय की प्रभावशीलता के साथ-साथ अपनी साख की रक्षा करने की भी चुनौती है। भारतीय स्टेट बैंक ने सुप्रीम कोर्ट से इलेक्ट्रॉल बॉन्ड संबंधी सूचना देने की समय सीमा बढ़ाने की गुजारिश की है। उचित ही इस पर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। सवाल सीधे केंद्र सरकार की मंशा पर हैं। यह मानने का तो कोई आधार नहीं है कि याचिका देने का फैसला स्टेट बैंक ने स्वायत्त रूप से और व्यावहारिक कारणों से लिया। इलेक्ट्रॉल बॉन्ड्स संबंधी मामले पर सुनवाई के दौरान खुद स्टेट बैंक ने सर्वोच्च न्यायालय को बताया था कि चंदादाताओं का विवरण सील किए लिफाफे में स्टेट बैंक की तयशुदा शाखाओं में रखा गया है।

उसने बताया था कि जब इलेक्ट्रॉल बॉन्ड्स को भुनाया जाएगा, तब उनका पे-इन स्लिप भी सील्ड कवर में रखा जाएगा और उसे स्टेट बैंक की मुंबई शाखा को भेज दिया जाएगा। इसलिए यह तर्क नहीं टिकता कि स्टेट बैंक को चंदादाताओं की सूची तैयार करने और उसका मिलान करने के लिए और तीन महीने और चाहिए। आम समझ है कि यह ब्योरा पेश करने के लिए सर्वोच्च न्यायालय ने बैंक को पर्याप्त समय दिया है।मुद्दा इसलिए गरमा गया है, क्योंकि स्टेट बैंक ने यह सूचना देने के लिए 30 जून तक का समय मांगा है। उसके पहले देश में आम चुनाव निपट चुका होगा।

जबकि कोर्ट की तरफ से दी गई समयसीमा यानी इसी महीने जानकारी सामने आने पर संबंधित सूचना चुनाव के दौरान चर्चा का एक महत्त्वपूर्ण मुद्दा बन सकती है। आखिर इससे पता चलेगा कि किस कारोबारी घराने ने किसे कितना चंदा दिया। उसके बाद सिविल सोसायटी उपलब्ध जानकारियों के मुताबिक यह आकलन करने की स्थिति में होगी कि क्या भाजपा को चंदा देने वालों को केंद्र ने कोई खास लाभ पहुंचाया है।इस तरह इलेक्ट्रॉल बॉन्ड्स को लेकर उठे कथित लेन-देन के संदेह का निवारण हो सकेगा। अगर सरकार का दामन पाक-साफ है, तो उसे यह सूचना यथाशीघ्र सार्वजनिक करनी चाहिए। वरना, इस योजना से संबंधित संदेह और गहराएंगे। दरअसल, स्टेट बैंक ने यह याचिका देकर सुप्रीम कोर्ट के सामने भी अग्निपरीक्षा जैसी स्थिति खड़ी कर दी है। कोर्ट के सामने अब अपने निर्णय की प्रभावशीलता के साथ-साथ अपनी साख की रक्षा करने की भी चुनौती है।

चुनाव क्या सिर्फ औपचारिकता?

अजीत द्विवेदी

तो क्या यह मान लिया जाए कि लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे तय हैं और चुनाव एक औपचारिकता भर है? क्या देश के लोगों ने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा को तीसरी बार शासन का मौका देने का फैसला कर लिया है? कम से कम प्रधानमंत्री की बातों से तो ऐसा ही लग रहा है। प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में रविवार को केंद्रीय मंत्रिपरिषद की बैठक हुई। करीब आठ घंटे चली इस बैठक में नई सरकार के सौ दिन के एजेंडे पर चर्चा होने की खबर है।मीडिया में आई खबरों के मुताबिक मंत्रिपरिषद ने दीर्घकालिक लक्ष्य यानी 2047 में विकसित भारत बनाने के लक्ष्य पर विचार विमर्श किया और साथ ही नई सरकार के एक सौ दिन के लक्ष्य पर भी चर्चा की। कई मंत्रालयों के सौ दिन के एजेंडे पर प्रेजेंटेशन देने की खबर भी है। सवाल है कि क्या सचमुच नरेंद्र मोदी और उनके मंत्री मान रहे हैं कि तीसरी बार भी उनकी सरकार बनने जा रही है या मंत्रिपरिषद की बैठक से निकली खबरें चुनाव के लिए इस्तेमाल किए जा रहे किसी रणनीतिक दांव का हिस्सा हैं?आमतौर पर चुनाव नतीजों के बारे में इस तरह का सटीक अनुमान नहीं लगाया जा सकता है कि कौन जीत रहा है और किसकी हार हो रही है। इस मायने में चुनाव भी क्रिकेट की तरह गौरवशाली अनिश्चितताओं का खेल है। कई नेताओं ने सार्वजनिक रूप से और अनौपचारिक बातचीत में स्वीकार किया है कि जिस समय वे चुनाव जीतने के सबसे ज्यादा भरोसे में होते हैं उस बार चुनाव हार जाते हैं और जब लगता है कि कांटे का मुकाबला है तो चुनाव जीत जाते हैं।यह व्यक्तियों और पार्टियों दोनों के मामले में सही है। पिछले ही साल के विधानसभा चुनावों मे कांग्रेस छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश की जीत को लेकर पूरी तरह से आश्वस्त थी तो बीआरएस को लग रहा था कि वह तेलंगाना हार ही नहीं सकती है। इन राज्यों के नतीजे सबको पता हैं।अगर लोकसभा चुनावों की बात करें तो 2004 के नतीजों का सबको पता है। जैसे अभी भाजपा के नेता अगली सरकार का एजेंडा तय कर रहे हैं उसी तरह 2004 में भी अटल बिहारी वाजपेयी सरकार के मंत्री अगली सरकार का एजेंडा तय कर रहे थे। देयर इज नो ऑल्टरनेटिव' यानी टीना' फैक्टर के आधार पर कहा जा रहा था कि अटल बिहारी वाजपेयी के मुकाबले कोई नहीं है। अंग्रेजी के बड़े पत्रकार लच्छेदार जुमलों में बता रहे थे कि सोनिया इज द ऑल्टरनेटिव सो देयर इज नो ऑल्टरनिव' यानी सीटा बनाम टीना' फैक्टर की चर्चा थी। दिसंबर 2003 में चार राज्यों के विधानसभा चुनाव हुए थे, जिनमें से राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भाजपा जीती थी और उससे बनी लहर का इस्तेमाल करने के लिए वाजपेयी सरकार ने समय से पहले मई 2004 में लोकसभा चुनाव कराने का फैसला किया। शाइनिंग इंडिया' और फीलगुड' के मुद्दे पर चुनाव लड़ा गया और उसका भी नतीजा सबको पता है।ऐसा नहीं है कि प्रधानमंत्री मोदी को इस राजनीतिक इतिहास या चुनावी अनिश्चितताओं का अंदाजा नहीं है। लेकिन कई बार असीमित सत्ता और लोकप्रियता भ्रम पैदा करती है। आंखों के सामने परदा डाल देती है। तकनीक, आंकड़ों और मोदी के निजी करिश्मे से भाजपा की टीम ऐसा नैरेटिव बना रही है कि हैरानी नहीं होगी अगर सचमुच भाजपा नेता इस भरोसे में बैठे हों कि चुनाव जीत रहे हैं।अगर ऐसा भरोसा है तो यह अति आत्मविश्वास नहीं, बल्कि उससे आगे की चीज है। इसे अहंकार कह सकते हैं। यह जनता और मतदाताओं को फॉर गारंटेड लेने या अपना पिछलग्गू मानने की सोच है।

चुनाव प्रचार में किसी पार्टी द्वारा जीत का दावा करने और मंत्रिपरिषद की बैठक करके अपनी जीत की गारंटी बताने के बीच के फर्क को समझने की जरुरत है। पार्टियां चुनाव प्रचार में बड़ी से बड़ी जीत का दावा करती हैं, भरोसा जताती हैं, आत्मविश्वास दिखाती हैं लेकिन जब सरकार मंत्रिपरिषद की बैठक करके अगली सरकार का एजेंडा तय किया जाए तो उसे आत्मविश्वास नहीं कहेंगे। यह अति आत्मविश्वास से भी आगे की चीज है।तो क्या यह माना जाए कि प्रधानमंत्री मोदी में अहंकार आ गया है और वे मतदाताओं को फॉर गारटेंड मान रहे हैं? अगर ऐसा है तो फिर वोट मांगने जाने की भी क्या जरुरत है या मतदाता मालिकों के आगे सिर झुकाने, उन्हें अपना परिवार बताने और उनसे तीसरा मौका देने का अनुरोध करने की क्या जरुरत है? जाहिर है असलियत वह नहीं है, जो दिख रही है। भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री मोदी जो दिन-रात एक किए हुए हैं वह अलग कहानी बयां कर रही है। उससे ऐसा लग रहा है कि तीसरी बार की जो मुश्किलें होती हैं उनका सामना पार्टी कर रही है। पार्टी के रणनीतिकारों को चुनौतियों का अंदाजा है। भाजपा के हर उम्मीदवार के सामने विपक्ष का एक साझा उम्मीदवार नहीं आए इसके लिए कांग्रेस सहित विपक्ष की हर पार्टी तोड़ी जा रही है। दूसरी पार्टियों के नेताओं को खुले दिल से भाजपा में आमंत्रित किया जा रहा है और उनकी हैसियत से हिसाब से राज्यसभा दी जा रही है या लोकसभा की टिकट दी जा रही है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की यात्रा जिस राज्य में पहुंचने वाली होती है वहां पहले से तोड़-फोड़ करके यात्रा को फेल करने के जतन किए जा रहे हैं। इन सबसे तो ऐसा नहीं लग रहा है कि भारतीय जनता पार्टी आसानी से चुनाव जीतने के आत्मविश्वास में है।कायदे से ऐसा ही होना चाहिए। हर चुनाव इस तरह से लड़ा जाना चाहिए, जैसे पहली बार लड़ रहे हों और जीवन का आखिरी चुनाव हो। मोदी और अमित शाह हमेशा इसी तरह से चुनाव लड़ते हैं। तभी ऐसा लग रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी अपनी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं में जीत का विश्वास भर रहे हैं और मतदाताओं का एक बड़ा समूह, जो आखिरी समय तक अनिश्चय की स्थिति में रहता है उसको समझा रहे हैं कि उसे अपना अनिश्चय समाप्त करना चाहिए और अनिर्णय की स्थिति से निकल कर भाजपा को वोट देना चाहिए क्योंकि भाजपा जीत ही रही है।मंत्रिपरिषद की बैठक में सौ दिन के एजेंडे पर चर्चा करके प्रधानमंत्री ने यही मैसेज बनवाया। उससे पहले संसद के बजट सत्र में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा का जवाब देत।

विपक्ष को भारी पड़ेगा 'मोदी का परिवार' अभियान

आशीष वशिष्ठ

20 सितंबर 2018 को कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने राजस्थान में आदिवासी जिले डूंगरपुर के सागवाड़ा में एक जनसभा में एक कहावत का उपयोग करते हुए राफेल मामले में प्रधानमत्री पर अमर्यादित टिप्पणी की। इस दौरान उन्होंने पीएम पद की गरिमा का खयाल भी नहीं रखा। राहुल गांधी ने कहा, 'गली-गली में शोर है, देश का चैकीदार चोर है।' राहुल गांधी की चैकीदार चोर की टिप्पणी के बाद पूरे देश में इस शब्द को लेकर ही आंदोलन शुरू हो गया था। बीजेपी के तमाम नेताओं ने अपने नाम के आगे 'मैं भी चैकीदार' जैसे शब्द लिखने शुरू कर दिए थे। बाद में, चौकीदार चोर है का नारा देने के कारण राहुल गांधी ने सुप्रीम कोर्ट में बिना शर्त माफी मांगी थी।

3 मार्च 2024 को बिहार की राजधानी पटना के गांधी मैदान में जन विश्वास महारैली में इंडी अलांयस की रैली में बोलते हुए राष्ट्रीय जनता दल के प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने प्रधानमंत्री मोदी पीएम मोदी के परिवारवाद वाली टिप्पणी का जवाब देते हुए कहा था कि उनकी कोई संतान नहीं है। वो पत्नी के साथ नहीं रहते। कैसे जानेंगे कि परिवार क्या होता है?

लालू प्रसाद आपत्तिजनक टिप्पणी के अगले दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तेलंगाना के अदिलाबाद में जनसभा को संबोधित कर रहे थे तो उन्होंने विपक्ष की ओर से उनके परिवार को लेकर किए गए हमले का परोक्ष रूप से जवाब दिया। पीएम ने कहा, 'मैं इनके परिवारवाद पर सवाल उठाता हूं, तो इन लोगों ने अब बोलना शुरू कर दिया है कि मोदी का कोई परिवार नहीं है। मैं इनसे कहना चाहता हूं कि 140 करोड़ देशवासी मेरा परिवार हैं। जिनका कोई नहीं है, वो भी मोदी के हैं और मोदी उनका है। मेरा भारत ही मेरा परिवार है।'

पीएम मोदी की ओर से पूरे देश को अपना परिवार बताए जाने के कुछ देर बाद ही भाजपा ने नए अभियान की शुरुआत कर दी। अभियान का नाम दिया गया 'मोदी का परिवार।' फिर क्या था बीजेपी के तमाम आला नेताओं ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपना बॉयो बदल दिया। वास्तव में, लालू

के हमले को ही मोदी ने हथियार बनाते हुए अपने चुनावी अभियान में शामिल कर लिया। साल 2019 में भी पीएम मोदी ने विपक्ष के हमले से ही एक ऐसा हथियार निकाला और इस तरह अभियान चलाया कि राहुल गांधी और कांग्रेस की सारी कोशिशें ध्वस्त हो गई थीं और भारतीय जनता पार्टी 2014 की तुलना में बड़ी जीत के साथ सत्ता में वापसी की थी।

2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान पीएम मोदी ने एक्स पर अपने बॉयो में 'मैं भी चौकीदार' लिखकर इस अभियान की शुरुआत की थी। यह अभियान तेजी से वायरल हो गया और बड़ी संख्या में बीजेपी के छोटे-बड़े नेताओं ने अपनी बॉयो में 'मैं भी चैकीदार' लिखना शुरू कर दिया। गली-गली पोस्टर लग गए. सिर पर टोपी आई जिस पर लिखा था- मैं भी चौकीदार. हर बड़ी हस्ती खुद को चैकीदार बताने लगी थी। चायवाला बनकर अगर पीएम रिक्शा, रेहड़ी-पटरी वाले तबके से जुड़ते हैं तो 'मैं भी चैकीदार' से उन्होंने एक बड़े तबके को खुद से जोड़ने की कोशिश की. वो प्रयोग सफल रहा।यह अभियान चुनाव खत्म होने तक जारी रहा। 2019 में जहां मैं भी चैकीदार नारा चर्चा में आया था तो वहीं अबकी बार मोदी का परिवार सुर्खियों में है। 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले इस बार विपक्ष ने फिर से वही गलती कर दी है।

2014 के चुनाव में कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने पीएम मोदी पर एक और हमला किया था। अय्यर ने कहा था कि वो चायवाला क्या प्रधानमंत्री बनेगा। इस बयान पर भाजपा कांग्रेस पर लगातार हमलावर रही थी। पीएम ने अय्यर की टिप्पणी पर जवाब अपने ही अंदाज में दिया था। मोदी ने चुनावी कैंपेन के दौरान खुद को चायवाला बताकर कांग्रेस पर तीखे प्रहार किए थे। इस बयान को मुद्दा बनाया गया था और चाय पर चर्चा कार्यक्रम रखे गए थे। उस वक्त भी इसी तरह बीजेपी ने उनके इस बयान को लपका था। बीजेपी कार्यकर्ताओं ने उस वक्त ना सिर्फ तालकटोरा स्टेडियम के बाहर चाय बेची थी बल्कि बीजेपी की लोकसभा चुनाव की पूरी रणनीति ही 'चाय' पर केंद्रित हो गई थी।

2007 में गुजरात चुनाव के दौरान सोनिया गांधी ने पीएम मोदी को 'मौत का सौदागर' बताया था। कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने 2017 में पीएम मोदी को नीच इंसान बताया था, गुजरात चुनाव के दौरान दिया गया ये नारा भाजपा ने जातिवाद से जोड़ दिया था। पीएम ने पलटवार करते हुए कहा कि, कांग्रेस के लोग मुझे नीच कहते हैं। गुजरात के बेटे के इन शब्दों का प्रयोग कांग्रेस को भारी पड़ेगा। प्रदेश के नतीजे इसके गवाह होंगे। 2017 के चुनाव में बीजेपी ने शानदार विजय हासिल की थी।

2019 के आम चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की अगुआई वाले एनडीए गठबंधन को बड़ी जीत हासिल हुई थी। भाजपा ने 2014 में 282 सीटें जीती थी। वहीं 2019 के आम चुनाव में भाजपा ने अकेले तीन सौ के आंकड़ों को पार किया और 303 सीटों पर जीत का परचम लहराने में सफल रही। अन्य सहयोगी पार्टियों के साथ ने इस जीत को और प्रचंड बना दिया। एनडीए ने लोकसभा की कुल 353 सीटों पर कब्जा किया, वहीं कांग्रेस की अगुवाई वाला यूपीए 92 सीटों पर सिमट कर रह गया। कांग्रेस के अकेले प्रदर्शन की बात करें तो काफी खींच-तान के बाद पार्टी को महज 52 सीटों पर सफलता मिली। भाजपा की इस बड़ी जीत के बाद भारतीय राजनीति में विपक्ष के सामने एक बार फिर अस्तित्व का संकट खड़ा हो गया था। 2014 के चुनावों की बात करें तो कांग्रेस महज 44 सीटों पर जीत हासिल कर पाई थी और उस बार भी सदन को विपक्ष का नेता नहीं मिल पाया था।

2019 के आम चुनाव में विपक्ष की ओर से राहुल गांधी पीएम मोदी के मुकाबले मैदान में थे। इस बार इंडी अलांयस मैदान में तो है, लेकिन उसकी ओर से कोई सर्वसम्मत चेहरा मैदान में नहीं है। विपक्ष को समझना चाहिए कि भाजपा के पास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रूप में चमत्कारी चेहरा है। उनकी नीतियों और फैसलों में खामी ढूंढकर जनता के सामने रखा जा सकता है लेकिन जब पीएम खुद को सबसे बड़ा ओबीसी नेता बता रहे हों, चुनाव करीब हो तब विपक्ष की एक गलती सारे समीकरण गड़बड़ा सकती है। अब परिवार वाले तंज पर ही देखिए कैसे पीएम ने रैली में भावुक अंदाज में देशभर के लोगों तक मैसेज पहुंचा दिया। हां, पीएम ने कहा, 'मेरा भारत-मेरा परिवार, इन्हीं भावनाओं को लेकर मैं आपके लिए जी रहा हूं, आपके लिए जूझ रहा हूं और आपके लिए जूझता रहूंगा।' पश्चिम बंगाल के बारासात में नारी शक्ति वंदन अभिनंदन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'आज देश का हर गरीब, हर किसान, हर नौजवान, हर बहन-बेटी कह रही है कि मैं हूं मोदी का परिवार। सालों तक परिवार से विरक्त रहा हूं। लेकिन एक दिन भी भूखा नहीं रहा। इसीलिए मैं कहता हूं कि यही मेरा परिवार है।

मालदीव में पर्यटकों की संख्या में भारी गिरावट

माले । टापू देश की एक वेबसाइट ने हाल ही में मालदीव पर्यटन मंत्रालय के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि मालदीव जाने वाले भारतीय टूरिस्टों की संख्या में पिछले साल की तुलना में 33 प्रतिशत की गिरावट आई है। पर्यटन मंत्रालय के 2023 के आंकड़ों के मुताबिक पिछले साल 4 मार्च तक 41,054 भारतीय टूरिस्ट मालदीव पहुंचे थे। इस साल 2 मार्च तक भारतीय टूरिस्टों की संख्या 27,224 दर्ज की गई। मालदीव स्थित वेबसाइट ने बताया कि यह पिछले साल की तुलना में 13,830 कम था। पिछले वर्ष की समान अवधि में भारत 10 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ मालदीव में टूरिस्टों के लिए दूसरा सबसे बड़ा स्रोत बाजार था, हालांकि भारत अब 6 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ सूची में छठे स्थान पर पहुंच गया है। दोनों देशों के बीच विवाद तब शुरू हुआ जब नवनिर्वाचित मालदीव सरकार के तीन उपमंत्रियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लक्षद्वीप यात्रा की तस्वीरों पर उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां कीं। पीएम मोदी ने भारतीय द्वीप समूह को समुद्र तट पर्यटन और घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एक गंतव्य के रूप में विकसित करने का आह्वान किया था। यह मामला एक बड़े राजनयिक विवाद का रूप ले लिया और नई दिल्ली ने मालदीव के दूत को तलब किया और वायरल पोस्ट के खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज कराया। मालदीव ने तीनों उपमंत्रियों को निलंबित कर दिया गया और वे वेतन सहित निलंबित रहेंगे। इस साल की शुरुआत में, मालदीव पर्यटन उद्योग के हितधारकों ने चिंता व्यक्त की क्योंकि भारत में बहिष्कार अभियान में तेजी आई और लोकप्रिय भारतीय फिल्म एक्टरों का भी समर्थन मिला।

अदाणी पोर्ट के शेयर ने 2008 की मंदी के बाद 980 फीसदी रिटर्न दिया

- अदाणी पोर्ट के शेयर ने अब तक 20 बार डिविडेंट दिया

नई दिल्ली। अडानी ग्रुप के कई शेयरों ने निवेशकों को शानदार कमाई कराई है। लांग टर्म में अच्छा मुनाफा देने वाले शेयरों में अडानी पोर्ट्स के स्टॉक का नाम भी शामिल है। खास बात यह है कि हिंडनबर्ग रिपोर्ट आने के बाद जब अडानी ग्रुप बाकी शेयरों में तो तेज गिरावट आई थी, लेकिन अडानी पोर्ट्स का शेयर इस झटके को आसानी से सह गया और इसमें ज्यादा गिरावट नहीं आई। शेयर ने 2008 की मंदी के बाद से 980 फीसदी से अधिक रिटर्न अपने निवेशकों को दिया है। इसके साथ ही डिविडेंड देने के मामले में भी शेयर आगे रहा है और अब तक 20 बार डिविडेंट दिया है। अडानी पोर्ट्स शेयर एक बार स्प्लिट भी हुआ है। 23 सितंबर, 2010 को यह 1:5 के अनुपात में 10 रुपये से 2 रुपये में विभाजित हो गया था। अडानी पोर्ट्स को लेकर 7 ब्रोकरेज हाउसेज बुलिश है। ब्रोकरेज मोतीलाल ओसवाल, एचएसबीसी, मॉर्गन स्टेनली, सीएलएसए और जेएम फाइनेंशिनेंयल का उम्मीद है कि आने वाले समय में अडानी पोर्ट्स का शेयर निवेशकों को खूब कमाई कराएगा। अदाणी पोर्ट्स अधिकतम प्राइस 1,500 रुपये दिया गया है। ब्रोकरेज हाउस मोतीलाल ओसवाल अदाणी पोर्ट पर बीयूवाय रेटिंग बनाए हुए है और इस पर 1,470 रुपये का लक्ष्य दिया गया है। अडानी पोर्ट्स के शेयर में पिछले कारोबारी सत्र में एनएसई पर यह शेयर तेजी के साथ 1,329.55 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। पिछले एक महीने में यह शेयर 6.42 फीसदी चढ चुका है। वहीं पिछले छह महीनों में अडानी पोर्ट्स शेयर ने निवेशकों को 50 फीसदी मुनाफा दिया है। एक साल में शेयर 90 फीसदी चढ चुका है। वहीं पांच साल में अडानी ग्रुप के इस शेयर ने निवेशको को 262 फीसदी रिटर्न दिया है। एनएसई पर 52 वीक हाई 1356.55 रुपये है और इसका एनएसई पर 52 वीक लो 571.55 रुपये है।

वृहद आर्थिक आंकड़े और वैश्विक रुख तय करेंगे बाजार की चाल: विश्लेषक

मुंबई ।
इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की चाल घरेलू मोर्चे पर वृहद आर्थिक आंकड़ों और वैश्विक रुझानों से तय होगी। सप्ताह के दौरान घरेलू मोर्चे पर औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) और मुद्रास्फीति के आंकड़े आने हैं। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों का कहना है कि ऊंचे मूल्यांकन से शेयर बाजार में कुछ उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। गुरुवार को बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी अपने सर्वकालिक उच्चस्तर पर बंद हुए थे। इसके अलावा विदेशी निवेशकों की गतिविधियां, वैश्विक स्तर पर ब्रेंट कच्चे तेल के दाम और डॉलर के मुकाबले रुपए का उतार-चढ़ाव भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण होगा। बाजार के जानकारों ने कहा कि इस सप्ताह बाजार का ध्यान मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर रहेगा। सप्ताह के दौरान मंगलवार को भारत और अमेरिका के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े आएंगे। गुरुवार को थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूआईपी) आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े जारी होंगे। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की खरीदारी गतिविधियां जारी रह सकती हैं। ऐसे में बड़ी कंपनियों के शेयर बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। जनवरी के लिए औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े और फरवरी के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े मंगलवार को आएंगे। थोक मुद्रास्फीति के आंकड़े गुरुवार को जारी किए जाएंगे। अमेरिका, चीन और भारत के मुद्रास्फीति के आंकड़ों से निवेशकों को वैश्विक व्यापक आर्थिक परिदृश्य के बारे में जानकारी मिलेगी। बाजार के विश्लेषकों का अनुमान है कि ऊंचे मूल्यांकन की वजह से बाजार में उतार-चढ़ाव बरकरार रहेगा। उनका कहना है कि निर्धारित वृहद आर्थिक आंकड़ों के अलावा वैश्विक बाजारों का प्रदर्शन बाजार को दिशा देगा।

यूट्यूब और नेटफ्लिक्स को टक्कर देगा मस्क का एक्स टीवी ऐप

वाशिंगटन । सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के मालिक एलन मस्क अब गूगल के वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म यूट्यूब और ओटीटी प्लेटफार्म नेटफ्लिक्स को टक्कर देने की तैयारी में हैं। मस्क खुद का एक स्ट्रीमिंग ऐप लांच करेंगे, जिससे आप स्मार्ट टीवी पर लंबे वीडियो देख पाएंगे। मस्क ने हाल ही में इसकी घोषणा की। दरअसल, एक एक्स यूजर ने अपने पोस्ट में लिखा कि आप जल्द ही अपने पसंदीदा एक्स लांग फॉर्म वीडियो को सीधे अपने स्मार्ट टीवी पर देख पाएंगे, जिसके जवाब में मस्क ने कमिंग सून लिखा है। टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ मस्क ने एक्स पर पोस्ट किया, लोग अपने फोन से टीवी पर वीडियो चलाने के लिए ऐपल एयरप्ले का उपयोग कर सकते हैं। इससे पहले एक्स ने आर्टिकल्स फीचर पेश किया। प्रीमियम यूजर्स और एक्स की सर्विसेज के लिए पेमेंट करने वाले अब इस प्लेटफॉर्म पर स्टाइलिस्ड टेक्स्ट, एम्बेडेड इमेज और वीडियो के साथ आर्टिकल्स पोस्ट कर सकते हैं। कंपनी के मुताबिक आर्टिकल एक्स पर लांच फॉर्म रिटेन कंटेंट को शेयर करने का एक नया तरीका है।

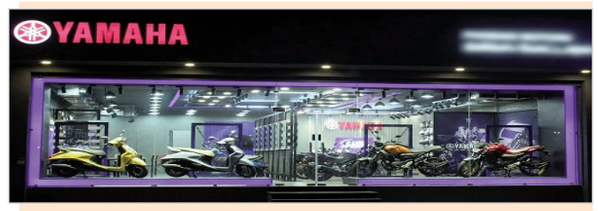

यॉमाहा ने शुरु किए 300 ब्लू स्क्वॉयर आउटलेट

मुंबई । यॉमाहा ने भारत में 300 ब्लू स्क्वॉयर आउटलेट खोलने की उपलब्धि हासिल कर ली है। ब्लू स्क्वायर कंपनी की हाई-लेवल डीलरशिप हैं, जो अपने ग्राहकों को एक प्रीमियम अनुभव देती हैं। यॉमाहा ने साल 2018 में कॉल आफ द ब्लू ब्रांड अभियान शुरू किया था और ब्लू स्क्वायर शोरूम उस अभियान का हिस्सा थे, जो 2019 में शुरू हुआ था। डीलरशिप में ब्लू थीम यामाहा का प्रतिनिधित्व करती है। ब्लू स्क्वायर डीलरशिप पर हाल ही में लॉन्च हुईं आर 3 और एमटी-03 बाइक्स बेची जाती हैं। भारत में 300 ब्लू स्क्वायर शोरूम में से यामाहा के दक्षिणी भारत में 129, पूर्वी भाग में 81, पश्चिमी क्षेत्र में 54 और उत्तरी भाग में 37 आउटलेट हैं।

सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से सात कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 71,301 करोड़ बढ़ा

- प्रमुख 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 मूल्यवान कंपनियों में से सात का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) सामूहिक रूप से 71,301.34 करोड़ रुपए बढ़ा है। कम कारोबारी सत्रों के सप्ताह के दौरान सबसे अधिक लाभ में भारती एयरटेल रही। समीक्षाधीन सप्ताह में जहां टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), भारती एयरटेल, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी के बाजार मूल्यांकन में बढ़ोतरी हुई, वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज, इन्फोसिस और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की बाजार हैसियत घट गई। सप्ताह के दौरान भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 38,726.67 करोड़ रुपए बढ़कर 6,77,448.44 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। एसबीआई के बाजार पूंजीकरण में 13,476.16 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई और यह 7,03,393.29 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 12,243.35 करोड़ रुपए बढ़कर 10,98,707.88 करोड़ रुपए पर और आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 3,099.76 करोड़ रुपए के उछाल के साथ 7,63,581.30 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। आईटीसी का बाजार पूंजीकरण 1,469.81 करोड़ रुपए बढ़कर 5,15,921.57 करोड़ रुपए और टीसीएस का मूल्यांकन 1,157.79 करोड़ रुपए बढ़कर 14,87,070.15 करोड़ रुपए रहा। हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 1,127.8 करोड़ रुपए बढ़कर 5,68,753.81 करोड़ रुपए हो गया। इस रुख के`` विपरीत इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 15,875.81 करोड़ रुपए घटकर 6,71,121.34 करोड़ रुपए पर आ गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 15,391.94 करोड़ रुपए घटकर 20,01,358.50 करोड़ रुपए रह गई। एलआईसी के मूल्यांकन में 6,166.87 करोड़ रुपए की गिरावट आई और यह 6,48,596.89 करोड़ रुपए रह गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, भारती एयरटेल, इन्फोसिस, एलआईसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का स्थान रहा।

एफपीआई ने मार्च में शेयर बाजार में 6,100 करोड़ निवेश किया

नई दिल्ली ।

पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने मार्च में अब तक भारतीय शेयर बाजारों में 6,139 करोड़ रुपए का निवेश किया है। बाजार के जानकारों ने कहा है कि मजबूत आर्थिक वृद्धि, बाजार की मजबूती तथा अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में गिरावट के चलते एफपीआई के बीच भारतीय शेयरों का आकर्षण बना हुआ है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार इससे पहले फरवरी में उन्होंने शेयरों में 1,539 करोड़ रुपए डाले थे। वहीं जनवरी में उन्होंने 25,743 करोड़ रुपए के शेयर बेचे थे। बाजार के जानकारों ने कहा कि पिछले महीने की तुलना में मार्च में एफपीआई का रुख अधिक सकारात्मक दिखाई दे रहा है। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर उम्मीद से बेहतर 8.4 प्रतिशत पर रही है। इसके अलावा भारत की बड़ी कंपनियों का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। इस वजह से एफपीआई के बीच भारतीय शेयर बाजार का आकर्षण बना हुआ है। उन्होंने कहा कि तीन कारणों से एफपीआई भारतीय बाजार में रुचि दिखा रहे हैं। इनमें बाजार की मजबूती और अमेरिकी में बॉन्ड प्रतिफल में गिरावट के अलावा जीडीपी की वृद्धि दर के उम्मीद से बेहतर आंकड़े शामिल हैं। शेयरों के अलावा एफपीआई ने समीक्षाधीन अवधि में ऋण या बॉन्ड बाजार में 1,025 करोड़ रुपए का निवेश किया है। ऋण या बॉन्ड बाजार की बात की जाए तो एफपीआई पिछले कुछ महीनों से जेपी मॉर्गन सूचकांक में भारत सरकार के बॉन्ड को शामिल करने की घोषणा से प्रभावित होकर ऋण बाजार में पैसा लगा रहे हैं। उन्होंने बॉन्ड बाजार में फरवरी में 22,419 करोड़ रुपए, जनवरी में 19,836 करोड़ रुपए, दिसंबर में 18,302 करोड़ रुपए डाले थे। कुल मिलाकर इस साल अब तक एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार से 18,000 करोड़ रुपए निकाले हैं। इस दौरान उन्होंने ऋण बाजार में 43,280 करोड़ रुपए डाले हैं।

रिलायंस के साथ विलय से कंपनी का मुनाफा बढ़ेगा: बॉब इगर

वाशिंगटन । वॉल्ट डिज्नी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बॉब इगर का कहना है कि भारतीय कारोबार के विलय के बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज के साथ संयुक्त उद्यम से कंपनी को लाभ होगा। उनका कहना है कि विलय के बाद भारतीय बाजार में कंपनी के कारोबार का खतरा कम होगा। इस सप्ताह की शुरुआत में मॉर्गन स्टेनली निवेशक सम्मेलन में इगर ने कहा कि विलय सौदे से एक बड़ी इकाई बनेगी और उसे बाजार में महत्वपूर्ण स्तर पर बने रहने में मदद मिलेगी। इगर ने कहा कि हमें रिलायंस के साथ जुड़ने का अवसर मिला, जाहिर तौर पर यह वह कंपनी है जिसने वहां बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है और जिसका हम सम्मान करते हैं। और ऐसा करने के साथ हम एक बड़ी मीडिया कंपनी में हिस्सेदार बन गए हैं। हमारा मानना है कि, न केवल इससे हमारा लाभ बढ़ेगा, बल्कि हमारा कारोबारी जोखिम भी कम होगा। पिछले महीने वॉल्ट डिज्नी कंपनी और रिलायंस इंडस्ट्रीज ने भारत में अपने मीडिया परिचालन के विलय के लिए पक्के समझौते पर हस्ताक्षर की घोषणा की थी। इस सौदे के तहत रिलायंस और उसकी सहयोगी इकाइयों के पास संयुक्त उद्यम में 63.16 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी। डिज्नी के पास 36.84 प्रतिशत हिस्सेदारी रहेगी। इससे देश में बड़ी मीडिया कंपनी अस्तित्व में आएगी, जिसके पास दो स्ट्रीमिंग सेवाएं और लगभग 120 टेलीविजन चैनल होंगे।

बीते सप्ताह मांग बढ़ने से अधिकांश तेल-तिलहन में सुधार हुआ

- ऊंचे भाव पर लिवाली कमजोर रहने से मूंगफली तेल-तिलहन कीमतों में गिरावट देखी गई

नई दिल्ली ।

आयातित खाने के तेलों की आपूर्ति कम होने के बीच त्योहारों और शादी-विवाह के मौसम की मांग बढ़ने से बीते सप्ताह मूंगफली तेल-तिलहन में आई गिरावट को छोड़कर लगभग सभी तेल-तिलहन कीमतों में सुधार दर्ज हुआ। बाजार के जानकार सूत्रों ने कहा कि ऊंचे भाव पर लिवाली कमजोर रहने की वजह से मूंगफली तेल-तिलहन कीमतों में गिरावट देखी गई। सूत्रों ने कहा कि इस बार जो दुर्गति मूंगफली की हुई है उससे कोई अच्छा संकेत नहीं मिलता और इस बात की आशंका पैदा होती है कि कहीं इसका हाल भी सूरजमुखी जैसा न हो जाये जिसका न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) काफी बढ़ाये जाने के बाद भी किसान उत्पादन बढ़ाने को तैयार नहीं हैं। जो आज मूंगफली के साथ हो रहा है वह बेहद चिंताजनक है। इसका कारण यह है कि इस तेल को सीधा खाने में उपयोग किया जाता है। दूसरी बात सूरजमुखी तेल की कमी को आयात करके पूरा किया जा सकता है पर मूंगफली तेल के मामले में ऐसा करना असंभव है। पिछले सप्ताहांत के मुकाबले बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 50 रुपए की तेजी के साथ 5,400-5,440 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का भाव 200 रुपए बढ़कर 10,325 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 25-25 रुपए की तेजी के साथ क्रमशः 1,745-1,845 रुपए और 1,745-1,850 रुपए टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। सोयाबीन दाने और लूज का भाव क्रमशः 20-20 रुपए की तेजी के साथ क्रमशः 4,610-4,630 रुपए प्रति क्विंटल और 4,410-4,450 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

इसी तरह सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम तेल का भाव क्रमशः 225 रुपए, 375 रुपए और 325 रुपए की तेजी के साथ क्रमशः 10,700 रुपए और 10,400 रुपए और 9,125 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। महंगे दाम पर लिवाल नदारद रहने के बीच समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तिलहन के दाम 100 रुपए की गिरावट के साथ 5,975-6,250 रुपए क्विंटल पर बंद हुए। मूंगफली गुजरात और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल के भाव भी क्रमशः 350 रुपए और 45 रुपए की गिरावट के साथ क्रमशः 14,500 रुपए क्विंटल और 2,180-2,455 रुपए प्रति टिन पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में कच्चा पाम तेल (सीपीओ) 300 रुपए की मजबूती के साथ 8,900 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

स्विगी ने बढ़त के बाद पार किया 12 बिलियन का आंकड़ा

नई दिल्ली ।

अमेरिका की एसेट मैनेजर बैरन कैपिटल ग्रुप ने आईपीओ-बाउंड फूड-डिलीवरी ऐप स्विगी के फेयर वैल्यू में वृद्धि की है, जिसके बाद 2022 में इसका मूल्यांकन 10.7 बिलियन डॉलर के मूल्यांकन से 13 फीसदी बढ़कर 12.16 बिलियन डॉलर हो गया है। अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग की फाइलिंग में इसकी जानकारी मिली है। अमेरिका स्थित एसेट मैनेजर ने पहले जनवरी 2022 में 700 मिलियन के फंडिंग राउंड के दौरान स्विगी में निवेश किया था। 31 दिसंबर तक एसेट मैनेजर के फंड के पास स्विगी की मूल कंपनी बंडल टेक्नोलॉजीज में 87.2 मिलियन की हिस्सेदारी थी, जो 74.4 मिलियन से 17 फीसदी अधिक थी। 2022 में स्विगी ने इनवेस्को के नेतृत्व में अपने सीरीज़ के राउंड में 700 मिलियन जुटाए। इस दौर में इसका मूल्यांकन दोगुना होकर 10.7 बिलियन डॉलर हो गया। 2023 में जुलाई-सितंबर तिमाही में इनवेस्को ने स्विगी का वैल्यूएशन बढ़ाकर 7.85 अरब डॉलर कर दिया। एक अलग फाइलिंग में बैरन कैपिटल ने कहा कि स्विगी भारतीय फूड डिस्ट्रीब्यूशन एरिया में लगभग 45 फीसदी बाजार हिस्सेदारी रखती है। बेंगलूरु की यह कंपनी इसी साल शेयर बाजार में कदम रखना चाहती है और आईपीओ के जरिये 1 अरब डॉलर जुटाने के लिए बाजार नियामक सेबी के पास दरख्वास्त डालेगी। कंपनी का इरादा आईपीओ में 10-11 अरब डॉलर का मूल्यांकन हासिल करने का है। स्विगी ने आईपीओ की योजना पर कुछ भी कहने से इनकार कर दिया। मगर मामले की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने बताया कि पिछले चरणों में जुटाई गई रकम में से कंपनी के पास तकरीबन 80 करोड़ डॉलर की नकदी रखी हुई है।

फ्रांसीसी कंपनी से सुपरकम्प्यूटर की आपूर्ति में देरी को लेकर रीजीजू हुए निराश

- पिछले साल कंपनी से 10 करोड़ डॉलर के दो सुपरकम्प्यूटर खरीदने का फैसला किया था

नई दिल्ली ।

पृथ्वी विज्ञान मंत्री किरेन रीजीजू फ्रांस की एक कंपनी द्वारा भारतीय मौसम पूर्वानुमान संस्थानों को दो सुपरकम्प्यूटर की आपूर्ति में देरी को लेकर निराश हैं और उन्होंने उम्मीद जताई कि फ्रांस सरकार इस प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए कदम उठाएगी। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने अपने संस्थानों राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केंद्र (एनसीएमआरडब्ल्यूएफ) और भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) की कम्प्यूटिंग क्षमताओं को बेहतर बनाने के लिए पिछले साल फ्रांस की कंपनी एविडेन से 10 करोड़ डॉलर के दो सुपरकम्प्यूटर खरीदने का फैसला किया था। रीजीजू ने एक साक्षात्कार में कहा कि मैं इसलिए ज्यादा निराश हूं क्योंकि हमने दिसंबर का लक्ष्य तय किया था। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पहले ही सुपरकम्प्यूटर खरीदने को मंजूरी दे दी थी। हमारे पास मौसम की सटीक भविष्यवाणी के लिए केवल चार पेटाफ्लॉप हैं। हम 18 पेटाफ्लॉप की क्षमता स्थापित करना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि फ्रांसीसी कंपनी कुछ वित्तीय संकट में फंस गयी थी और

चाहती थी कि सरकार उसकी सहायक कंपनी को कुछ भुगतान करे। रीजीजू ने बताया कि इस देरी ने उन्हें काफी चिंतित कर दिया है क्योंकि कंपनी की समयसीमा बीत गयी है। लेकिन मुझे लगता है कि हम इसे जल्द ही हल कर लेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार कानूनी रूप से सही कदम उठाना चाहती है। हम पैसा देने के लिए तैयार हैं क्योंकि हम तुरंत यह मशीन चाहते हैं। दिक्कत यह है कि धनराशि कोई छोटी नहीं है। इसलिए अगर हम अभी भुगतान करते हैं और यदि कंपनी दिवालिया हो गयी या कुछ होता है तो कौन बचाएगा। रीजीजू ने कहा कि सरकार सुपरकम्प्यूटर की आपूर्ति में तेजी लाने के लिए कुछ कदम उठा रही है लेकिन उन्होंने इसकी विस्तृत जानकारी नहीं दी। उन्होंने कहा लेकिन मैं उम्मीद करता हूं कि फ्रांस सरकार भी हस्तक्षेप करेगी क्योंकि हमारे बीच अच्छी समझ है और फ्रांस सरकार से बहुत अच्छे रिश्ते हैं।

पेट्रोल-डीजल लोगों को सस्ता देने पर सरकार को 2 करोड़ का घाटा: हरदीप पुरी

- पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी घटाने से सरकारी खजाने को हुआ नुकसान

नई दिल्ली ।

केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने बताया कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों को काबू में रखने के लिए सरकार ने जो कदम उठाए, उस वजह से सरकारी खजाने को नुकसान तक उठाना पड़ा। उन्होंने कहा कि पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी घटाने से नवंबर 2021 से मई 2022 तक सरकारी खजाने को 2.2 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान यह बात कही। गौरतलब है कि उपरोक्त दी गई अवधि के दौरान पेट्रोल की एक्साइज ड्यूटी में 13 रुपये और डीजल में 16 रुपये की कटौती की गई थी। दरअसल, जब केंद्रीय मंत्री पुरी से सवाल किया गया कि क्या भविष्य में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कटौती दिखेगी तब उन्होंने एक्साइज ड्यूटी मे कमी वाली बात कही। उन्होंने यह भी कहा कि पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कटौती भू-राजनीतिक परिस्थितियों और कच्चे तेल की कीमतों पर निर्भर करेंगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अगर वैश्विक परिस्थितियां और कच्चे तेल की कीमत स्थिर रहती हैं, तब ही इस फैसले पर विचार किया जा सकता है। हालांकि वैश्विक संघर्ष इन फैसलों पर असर डाल सकते हैं। उन्होंने बताया कि रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण परेशानी हुई क्योंकि भारत अपनी जरूरत का 85 फीसदी कच्चा तेल आयात करता है। प्रतिबंधों के खतरे के बावजूद भारत ने रूस से तेल खरीद को बढ़ा दिया। हरदीप पुरी ने बताया कि जून 2020 से जून 2022 तक एलपीजी की कीमतों को संभालने के लिए भी सरकार ने कई कदम उठाए। उन्होंने कहा कि जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में एलपीजी की कीमतें 300 फीसदी से भी ज्यादा बढ़ गई थीं तब भारत ने इसका पूरा बोझ ग्राहकों पर ट्रांसफर नहीं किया।

रूही की नई मैम

रुही नाइंथ क्लास में पढ़ती है और स्टडीज के अलावा वो स्पोर्ट्स में भी बहुत अच्छी है। वो इसी स्कूल में नर्सरी से पढ़ रही है। इसलिए उसे यहां के टीचर्स भी अच्छी तरह जानते हैं। इस साल स्कूल में एक नई टीचर आई हैं 'वैशाली मैम' जो रुही की क्लास टीचर भी हैं। वैशाली मैम ही उसे साइंस भी पढ़ाएंगी। रुही को पता नहीं क्यों कुछ ही दिनों में ऐसा लगने लगा जैसे वैशाली मैम उसे पसंद नहीं करतीं। उसे और भी यकीन हो गया जब क्लास में उसकी 'खास' फ्रेंड्स ने भी उसे यही कहा। इतने में ही स्कूल में एक इंटर स्कूल कॉम्पिटीशन आयोजित हुई। रुही ने सारी ही प्रतियोगिताओं में अपना नाम लिखवा दिया।

इस बार साधना मैम प्रोग्राम की इंचार्ज नहीं थीं जो कि ज्यादातर होती थीं और वे बिना पूछे ही रुही का नाम भी हर कॉम्पिटीशन में लिख देती थीं। इस बार इंचार्ज वैशाली मैम थीं। फिर अचानक कॉम्पिटीशन के कुछ दिन पहले असेंबली में प्रिंसीपल मैम ने बताया कि कोई भी स्टूडेंट ज्यादा से ज्यादा दो प्रतियोगिताओं में भाग ले सकता है और उन्होंने इस आइडिया के लिए वैशाली मैम को थैंक्स कहा। रुही को लगा जरूर वैशाली मैम ने उसके खिलाफ ये चाल चली होगी। रुही को इस बात से और भी बुरा लगा कि क्लास में सबसे पीछे बैठने वाली आंजना और सबसे मस्तीखोर पीयूष को वैशाली मैम ने स्ट्रिक्टली इन प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए कहा था। जबकि वो दोनों तो कभी किसी चीज में पार्टिसिपेट करते ही नहीं। रुही की 'खास' फ्रेंड्स ने इस बार भी उसके साथ मिलकर वैशाली मैम को बहुत बुरा-भला कहा।

अभी कॉम्पिटीशन शुरू होने में चार-पांच दिन बाकी थे कि एक दिन वैशाली मैम ने रुही को लंच ब्रेक में स्टाफ रूम में मिलने को कहा। बेमन से वह स्टाफ रूम में दाखिल हुई। वहां मैम के साथ पीयूष और आंजना भी थे। अब तो रुही का शक पक्का हो गया। उसने बहुत गुस्से में कहा- 'मे आय कम इन मैम।'

'ओह.रुही, प्लीज कम इन।'' वैशाली मैम मुस्कुराते हुए बोलीं और उसका चेहरा देखकर उन्होंने तुरंत पूछा भी- 'क्या बात है रुही, तुम्हारी तबियत तो ठीक है न? कोई प्रॉब्लम तो नहीं?' रुही को लगा मैम उसे और चिढ़ा रही हैं। वह गुस्से में कुछ बोल नहीं पाई तो मैम आगे बोलीं। 'रुही मैं चाहती हूं कि पीयूष और आंजना को तुम गाइड करो। क्योंकि इस मामले में तुम स्कूल में सबसे ज्यादा एक्सपीरियंस्ड और टैलेंटेड हो।' रुही का गुस्सा और भी बढ़ था। 'मुझे लगता है तुमसे बेहतर गाइडेंस इन्हें किसी का भी नहीं मिल सकता.'क्यों नहीं मैम। आप कहें तो मैं बाकी कॉम्पिटीशन्स में से भी अपना नाम हटा लेती हूं। फिर इनको चीटिंग करके प्राइज दिलाने के लिए तो आप हैं ही।' मैम की बात के बीच में ही गुस्से में चिल्लाते हुए रुही ने कहा।

'रुही- ये तुम क्या बोल रही हो बेटा?' चौंकते हुए वैशाली मैम ने कहा। 'रहने दीजिए मैम, मैं सब जानती हूं। पहले दिन से ही आपको मैं पसंद नहीं हूं। आप मेरे टैलेंट से जलती हैं। इसलिए मेरे हर काम में हर्डल्स खड़े कर रही हैं.पहले आपने मेरा नाम कॉम्पिटीशन्स में से हटवाया और अब इस बेवकूफ आंजना और स्टूपिड पीयूष को मेरे अगेंस्ट खड़ा कर रही हैं.जबकि.रुही और भी आगे बोलती लेकिन मैम ने उसे थोड़ी कड़क आवाज में टोकते हुए कहा- 'रुही.पहले शांत हो जाओ और यहां बैठो।' मैम की आवाज और आंखें देखकर रुही एकदम सकपका गई लेकिन चेयर पर बैठने की बजाय खड़ी रही।

यहां बैठो रुही।'' मैम ने फिर कहा। रुही बैठ गई। 'देखो रुही, तुमने मुझे गलत समझा है बेटा।' मैम की आवाज अब पहले की ही तरह शांत थी। उन्होंने पानी का गिलास रुही की ओर बढ़ाया। रुही अब थोड़ी शांत हो गई थी। 'तुम्हें ऐसा पता नहीं क्यों लगा बेटा कि मैं तुम्हें नापसंद करती हूं। जबकि इस स्कूल में आने के कुछ दिनों बाद से ही मैं तुम्हारी फैन बन चुकी हूं।' 'पप्पर फिर आपने क्लास में हमेशा मुझे इग्नोर क्यों किया मैम?' रुही ने पूछा।

'नहीं बेटा मैंने कभी तुम्हें इग्नोर नहीं किया। हां, मैं इस बात से चिंतित जरूर थी कि तुम्हारे अचीवमेंट्स और 'खास' फ्रेंड्स कहीं तुम्हारे अंदर ओवरकॉन्फिडेंस और घमंड न भर दें। इसलिए मैं क्लास के बीच में तुम्हें इंडायरेक्टली वॉर्न करती थी। ताकि तुम सही और गलत फ्रेंडशिप को समझ सको। दो कॉम्पिटीशन में पार्ट लेने का नियम बनाने की सलाह मैंने इसलिए दी ताकि ज्यादा स्टूडेंट्स को मौका मिल पाए। इसके लिए मुझे तुम जैसे हर बच्चे की मदद लेनी है ताकि हम बाकी बच्चों को भी अच्छी चीजों में इन्वॉल्व कर पाएं। क्या तुम अब भी मुझे गलत समझती हो?' वैशाली मैम ने सवाल किया और इतने में प्यून रमेश भाई ने आकर बताया कि मैम को प्रिंसीपल मैम बुला रही हैं। वैशाली मैम पीयूष और आंजना के साथ रुही को छोड़कर क्लास से बाहर चली गईं।

सोच में डूबी रुही जैसे अचानक गहरी नींद से जागी। उसके दिमाग में चल रहा कन्फ्यूजन अब खत्म हो चला था। उसने घबराई सी खड़ी आंजना और भौंचक खड़े पीयूष की ओर देखा और कहा- 'मैम ने सही कहा है। ये हमारे स्कूल की रेप्यूटेशन का सवाल है। और अब मेरी भी। इसलिए आज छुट्टी के बाद तुम दोनों मुझे रिक्रिएशन रूम में मिलोगे। हम जमकर प्रैक्टिस करेंगे.लेकिन उससे पहले मुझे वैशाली मैम को सॉरी बोलना है।' इतना कहकर खुश-खुश सी रुही स्टाफ रूम से बाहर निकल कर तेजी से प्रिंसीपल मैम के रूम की तरफ बढ़ गई।

वैशाली मैम मुस्कुराते हुए बोलीं और उसका चेहरा देखकर उन्होंने तुरंत पूछा भी- 'क्या बात है रुही, तुम्हारी तबियत तो ठीक है न? कोई प्रॉब्लम तो नहीं?' रुही को लगा मैम उसे और चिढ़ा रही हैं।

इंडोनेशिया में लाशों के साथ मनाया जाता है त्योहार

दुनिया के अलग-अलग देशों में लोग कई तरह के रीति-रिवाज को मानते हैं और अजीबोगरीब तरीकों से उत्सव मनाते हैं। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे त्योहार के बारे में बताएंगे, जो लाशों के साथ मनाया जाता है। जी हां, इस त्योहार के बारे में जानकर आपको थोड़ा अजीब जरूर लगेगा, लेकिन यह बात बिल्कुल सही है। इंडोनेशिया की एक खास जनजाति इस त्योहार को मनाती है, जिसे मानेने फेस्टिवल के तौर पर जाना जाता है।

मानेने फेस्टिवल की शुरुआत आज से लगभग 100 साल पहले हुई थी। इसे मनाने के पीछे बरप्पू गांव के लोग एक बहुत ही रोमांचक कहानी सुनाते हैं। लोगों के मुताबिक, सौ साल पहले गांव में टोराजन जनजाति का एक शिकारी जंगल में शिकार के लिए गया था। पोंग रुमासेक नाम के इस शिकारी को बीच जंगल में एक लाश दिखी। सड़ी-गली लाश को देखकर रुमासेक रुक गया। उसने लाश को अपने कपड़े पहनाकर अंतिम संस्कार किया।

इसके बाद से रुमासेक की जिंदगी में काफी अच्छे बदलाव आए और उसकी बदहाली भी खत्म हो गई। इस घटना के बाद से ही इसके बाद से रुमासेक की जिंदगी में काफी अच्छे बदलाव आए और उसकी बदहाली भी खत्म हो गई। इस घटना के बाद से ही टोराजन जनजाति के लोगों में अपने पूर्वजों के लाश को सजाने की प्रथा शुरू हो गई। मान्यता है कि लाश की देखभाल करने पर पूर्वजों की आत्माएं आशिर्वाद देती हैं।

इस त्योहार को मनाने की शुरुआत किसी के मरने के बाद ही हो जाता है। परिजन के मौत हो जाने पर उन्हें एक ही दिन में न दफना कर, बल्कि कई दिनों तक उत्सव मनाया जाता है। यह सब चीजें मृत व्यक्ति के खुशी के लिए की जाती हैं और उसे अगली यात्रा के लिए तैयार किया जाता है। इस यात्रा को पुया कहा जाता है। इस त्योहार के दौरान परिजन बैल और भैंसें जैसे जानवरों को मारते हैं और उनके सींगों से मृतक का घर सजाते हैं। मान्यता है कि जिसके घर पर जितनी सींगें लगी होंगी, अगली यात्रा में उसे उतना ही सम्मान मिलेगा।

इसके बाद लोग मृतक को जमीन में दफनाने की जगह लकड़ी के ताबूत में बंद करके गुफाओं में रख देते हैं। अगर किसी शिशु या 10 साल से कम उम्र के बच्चे की मौत हो तो उसे पेड़ की दरारों में रख दिया जाता है। मृतक के शरीर को कई दिन तक सुरक्षित रखने के लिए कई अलग-अलग तरह के कपड़ों में लपेटा जाता है। मृतक को कपड़े ही नहीं फैशनेबल चीजें भी पहनाई जाती हैं। सजाने-धजाने के बाद लोग मृतक को लकड़ी के ताबूत में बंदकर पहाड़ी गुफा में रख देते हैं। साथ में लकड़ी का एक पुतला रखा रक्षा करने के लिए रखा जाता है, जिसे ताउ-ताउ कहते हैं। ऐसा माना जाता है कि ताबूत के अंदर रखा शरीर मरा नहीं है, बल्कि बीमार है और जब तक वो सोया हुआ है, उसे सुरक्षा चाहिए होगी।

इसके बाद हर 3 साल पर लाशों को फिर से बाहर निकाला जाता है और उसे दोबारा नए कपड़े पहनाकर तैयार किया जाता है। इतना ही नहीं लोग लाशों के साथ बैठकर खाना भी खाते हैं। लाशों से उतरे हुए कपड़ों को परिजन पहन भी लेते हैं। कई सालों के बाद जब लाश हड्डियों में बदलने लगती है, तो उसे जमीन में दफनाया जाता है।

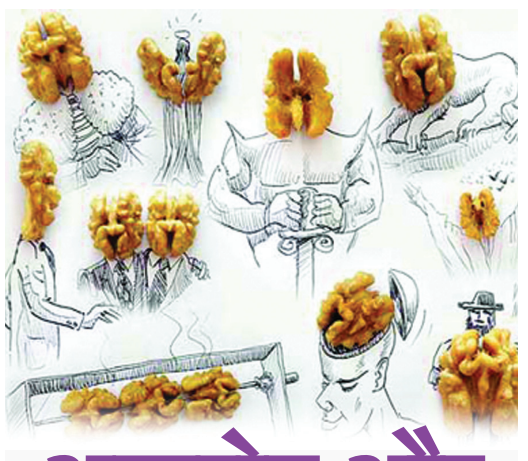

अखरोट और पॉपकॉर्न के आर्ट पीस बनाता एक कलाकार

अपने आस-पास मौजूद साधनों से कलाकृतियां बना डालना हमेशा से आर्टिस्ट्स का शौक रहा है।

अपने आस-पास मौजूद साधनों से कलाकृतियां बना डालना हमेशा से आर्टिस्ट्स का शौक रहा है। पेड़ों की पत्तियों, फूलों, लकड़ियों, मिट्टी, सब्जियों, बेकार पड़े वायर के पीस, फलों, छिलकों, और ऐसी न जाने कितनी ही चीजों से कलाकार आर्ट पीस बना डालते हैं। ऐसे ही एक कलाकार हैं विक्टर न्यूनेस, जो पॉपकॉर्न, अखरोट, पत्तागोभी और न जाने कितनी ही चीजों से रच डालते हैं खूबसूरत तस्वीरें।

पत्ते, फल और ब्रेड

विक्टर के आर्ट की सबसे बड़ी खासियत यह है कि वो हमें अपने आस-पास मौजूद छोटी-छोटी चीजों में भी कला का रूप देखने की सीख देते हैं और वो भी बहुत ही सरल तरीके से। विक्टर की पेंटिंग्स या आर्ट पीस में मुख्यतः सामान्य पेन्सिल से बने स्केच होते हैं जिनके साथ वो अपने आस-पास मौजूद चीजों को जोड़कर पूरी कहानी बना डालते हैं। जैसे पॉपकॉर्न से ही सिर, मुंह, बाल और दाढ़ी बनाकर। उनके बनाए स्केचेस जितने दमदार होते हैं उतने ही प्रॉप्स का यूज करने पर वो अनूठे बन जाते हैं। ब्रेड से लेकर बिस्किट, काजू, नूडल्स, कॉफी का फोम, आटे की लोई, चिप्स, वेफर्स आदि खाने की चीजों से लेकर कैंची, पेन के ढक्कन, कागज के खाली ग्लास और प्लेट, पेन्सिल को छीलकर निकली पंखुड़ियां, नट-बोल्ट्स, ड्रॉइंग पिंस,धागे और पौधों के पत्ते जैसे कई ऑब्जेक्ट्स को विक्टर कमाल के तरीके से यूज कर मन मोह लेते हैं।

आर्ट से है गहरा नाता

यूं 60 साल के विक्टर ब्राजील के एक रिटायर आर्ट डायरेक्टर हैं लेकिन कला के प्रति उनका पैशन हर उम्र के व्यक्ति को प्रेरणा देता है। खास बात ये है कि उन्होंने कुछ ही समय पहले फेसबुक पर अपना अकाउंट बनाया और उस पर अपने इन स्पेशल आर्ट पीसेस को पोस्ट करना शुरू किया। आज वो रोज कई सारे पीसेस ड्रॉ करते हैं और फेसबुक पर पोस्ट करते हैं। और भी मजेदार बात यह है कि विक्टर कॉफी पीते समय या खाना खाते समय भी चीजों के कलात्मक रूप के बारे में सोचते रहते हैं, इससे उन्हें रोज नए प्रयोग करने की प्रेरणा जो मिलती है।

अमेजन की रहस्यमयी नदी

पेरू में मौजूद इस रहस्यमय नदी की खोज भूवैज्ञानिक आंद्रे रूजो ने साल 2011 में की थी। मयानतुयाकू नामक इस नदी की खोज की कहानी बड़ी ही दिलचस्प है, जिसके बारे में आंद्रे रूजो ने बताया है। दरअसल, बचपन से ही रूजो ने ऐसी काल्पनिक नदियों की कहानियां सुन रखी थी, जो उन्हें आश्चर्य से भर देती थीं, लेकिन तब उन्हें इस बात का बिल्कुल भी अहसास नहीं था कि ऐसी नदी सच में होती है। आंद्रे रूजो के मुताबिक, जब वो बड़े हुए तो भी उबलती हुई नदी की कहानी हमेशा उनके दिमाग में रही। वो अक्सर ऐसा सोचते कि क्या ऐसा संभव है। यहां तक कि उन्होंने विश्वविद्यालय के अपने सहयोगियों, तेल, गैस और खनन कंपनियों से भी इस बारे में जानना चाहा, लेकिन सबका जवाब ना ही था। इसके अलावा अगर वैज्ञानिक तौर पर भी देखें तो ऐसा संभव ही नहीं है कि नदी का पानी हमेशा उबलता रहे, जब तक कि आसपास कोई सक्रिय ज्वालामुखी न हो।

आदित्य धर बनाएंगे नई एक्शन थ्रिलर फिल्म, रणवीर सिंह से मिलाया है हाथ

फिल्म 'उड़ीः द सर्जिकल स्ट्राइक' के डायरेक्टर आदित्य धर कुछ खास बनाने की योजना बना रहे हैं। ऐसे में उनकी पहली चॉइस कोई एक्शन थ्रिलर फिल्म बनाने की है। रिपोर्ट्स की मानें, तो इस फिल्म के लिए उन्हें हीरो मिल गया है। अब देखना यह बाकी है कि इस हीरो के साथ मिलकर आदित्य की फिल्म दर्शकों के लिए क्या नया लेकर आती है।

रणवीर दिखेंगे नए अवतार में

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें, तो आदित्य धर की इस एक्शन थ्रिलर में रणवीर सिंह मुख्य किरदार निभाने वाले हैं। इसे लेकर आदित्य और रणवीर के बीच बातचीत चल रही है। इस फिल्म की पृष्ठभूमि भारतीय खुफिया एजेंसियों पर आधारित होगी। कहा जा रहा है कि फिल्म में रणवीर का एकदम अलग अवतार नजर आएगा। इस फिल्म पर साथ काम करने के सिलसिले में रणवीर और आदित्य की चार-पांच बार मुलाकात भी हो चुकी है। ये मुलाकातें पिछले 3 हफ्तों में हुई हैं। बस फिल्म साइन करने को लेकर कागजी कार्रवाई की जानी बाकी है।

रणवीर को पसंद आई स्क्रिप्ट

ऐसा लगता है कि रणवीर भी पिछले कई दिनों से एक अच्छी फिल्म हाथ लगने का इंतजार कर रहे थे। ऐसे में जब यह प्रस्ताव उन्हें मिला, तो उन्होंने तुरंत हां कह दिया। रिपोर्ट्स की मानें, तो आदित्य के कहने पर उन्होंने एक बार में हां कह दिया। पहली मीटिंग में आदित्य ने उन्हें फिल्म की सारी कहानी बता दी थी, जिसे सुनकर रणवीर को यह बहुत पसंद आई। रणवीर ने तो अपनी टीम को आदित्य की इस फिल्म के लिए अपनी तारीखें बुक करने को भी कह दिया है।

आगे खिसकेंगी रणवीर की दूसरी फिल्में!

रणवीर आदित्य की इस फिल्म पर आगामी मई से काम शुरू कर पाएंगे। ऐसे में रणवीर की फिल्म 'डॉन 3' की शूटिंग आगे खिसक सकती है। ऐसा हुआ, तो वह इसे अगस्त 2024 तक ही शुरू कर पाएंगे। इसके बाद अगले साल वह शक्तिमान की शूटिंग भी शुरू करेंगे। गौरतलब है कि रणवीर सिंह की पिछली फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी थी, जिसमें वह आलिया भट्ट के साथ नजर आए थे। उनकी अगली फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी के निर्देशन में बन रही सिंघम अगेन है।

मैं खुद को पॉजिटिव रखने पर विश्वास करती हूं

रसिका दुग्गल ने अपनी एक्टिंग और प्रतिभा से फिल्म इंडस्ट्री में एक अलग मुकाम हासिल किया है। उन्होंने फिल्मों और ओटीटी दोनों ही प्लेटफॉर्म पर कमाल का काम किया है। रसिका को मिर्जापुर के बीना त्रिपाठी के किरदार के लिए खूब प्रशंसा मिली। रसिका ने हामिद, ह्यूमरसली योर्स, मंटो, किस्सा-किस्सा, दिल्ली क्राइम जैसे प्रोजेक्ट्स में भी बेहतरीन काम किया है। रोल चाहे कॉमिक हो या सीरियस, रसिका हमेशा खरी उतरी हैं।

रसिका ने कहा- हर वक्त आप कुछ बेहतर चाहते हैं। ये चाह भी बहुत जरूरी है। जिंदगी का वसूल है कि हम जिस समय जो चाहते हैं, वो नहीं मिलता है। एक गैप हमेशा रहता है। आप पर निर्भर करता है कि आप उस गैप को कैसे देखते हैं। हम सब काफी मीटिंग और ऑडिशन दिया करते थे। कई दफा लोग बहुत इज्जत देते थे और कई बार लोग दोबारा मिलते ही नहीं थे। ऐसा भी होता था कि 3 घंटे तक हम अंधेरी के श्रीजी रेस्टोरेंट के बाहर लाइन लगा कर खड़े रहते थे। हां, कई बार मायूसी भी होती थी। लेकिन उस समय खुद को यही याद दिलाती थी कि मैं अकेली नहीं हूं। मुझे याद है कि एक फिल्म के लिए मैंने काफी कोशिश की थी। लेकिन मुझे वो फिल्म नहीं मिली थी। उस दौरान मैं काफी मायूस हो गई थी। हालांकि मेरी दोस्त एडिटर थी, वो भी काफी परेशान थी। हम दोनों एक-दूसरे को चीयर अप किया करते थे।

रियल लाइफ में मैं बहुत इमोशनल हूं

रसिका ने अपना इमोशनल साइड बताते हुए कहा- मैं फिल्में देखकर रोने लगती हूं। मैं उस तरह की ऑडियंस हूं जो फिल्में देखकर बहुत हंसती है, या बहुत रोती है। सच कहूं तो स्ट्रगल के समय मैं बहुत रोई हूं। मुझे लगता है एक्स्प्रेसिव होना बहुत जरूरी भी है। मैं मानती हूं- कोई भी फीलिंग हो, उसे पूरी तरह से महसूस करना और जाहिर करना अच्छा होता है।

मझे ऑडिशन देने में कोई प्रॉब्लेम नहीं है

रसिका ने थोड़ा टीवी भी किया है। उन्होंने यशराज का एक प्रोजेक्ट किया था, जिसमें उनके साथ पंकज त्रिपाठी थे। रसिका से ओटीटी के बारे में भी बात हुई। उन्होंने कहा- हालांकि जब ओटीटी आया और मिर्जापुर रिलीज हुई, तो मुझे उम्मीद नहीं थी कि इस कदर मुझे इस रोल के लिए तारीफ मिलेगी। रसिका ने ऑडिशन की अहमियत बताई। उन्होंने कहा- एक डायरेक्टर के लिए ये जानना बहुत जरूरी होता है कि एक्टर मेरे किरदार पर फिट हो पा रहा है या नहीं। एक्टर-डायरेक्टर के लिए ऑडिशन अच्छा रहता है।

मैं दिल्ली क्राइम के किरदार में खुद को देखती हूं

रसिका ने अपने किरदारों को निभाने के बारे में कहा- आप अपनी उतनी ही छाप छोड़ सकते हैं, जितना स्क्रिप्ट में आपका किरदार लिखा गया हो। फिर चाहे मैं मिर्जापुर की बात करूं या फिर दिल्ली क्राइम की। दिल्ली क्राइम की नीति सिंह मेरे दिल के बहुत करीब है। मैं खुद को उस किरदार में देखती हूं। रसिका ने किसी कॉमेडी फिल्म में लीड रोल करने की ख्वाहिश भी जताई। रसिका को हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की सबसे अच्छी चीज ये लगती है कि यहां सबके लिए काम है। उन्होंने कहा- हमारे देश में इतने बड़े लेवल पर फिल्में बनती हैं। कितने ऐसे भी देश हैं, जहां फिल्में बनती ही नहीं हैं। मुझे एक्सपेरिमेंट करना बहुत अच्छा लगता है। ओटीटी के आने से राइटिंग को वो अहमियत मिली, जो कहीं खो गई थी।

महाशिवरात्रि पर तमन्ना भाटिया ने साझा किया ओडेला 2 का फर्स्ट लुक

महाशिवरात्रि और महिला दिवस के अवसर पर अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने अपनी आगामी क्राइम थ्रिलर फिल्म ओडेला 2 का फर्स्ट लुक फैंस के साथ साझा किया है। इसी महीने से अभिनेत्री ने फिल्म की शूटिंग शुरू की है।

1 मार्च को तमन्ना भाटिया ने अपनी इस नई फिल्म की शूटिंग शुरू की। इसकी जानकारी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए साझा की गई। ओडेला 2, क्राइम-थ्रिलर ओडेला रेलवे स्टेशन का सीक्वल है, जो 2022 में रिलीज हुई थी। ओडेला 2 कई भाषाओं में रिलीज होगी। तमन्ना ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर साझा किया है। इसमें वह हाथ में डमरू, मस्तक पर तिलक लगाए महादेव की भक्ति में लीन दिख रही हैं। इसके साथ तमन्ना ने कैप्शन लिखा है, मुझे महा शिवरात्रि के इस शुभ दिन पर अपनी फिल्म के फर्स्ट लुक पोस्टर की झलक साझा करते हुए बेहद खुशी हो रही है। हर हर महादेव! शुभ महा शिवरात्रि। अभिनेत्री की आगामी फिल्म की पहली झलक देख यूजर्स जमकर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, हर हर महादेव! आपको नई फिल्म के लिए ढेरों बधाई। एक अन्य यूजर ने लिखा, पहली झलक काफी दमदार है। फिल्म और भी दमदार होगी, इंतजार है। एक यूजर ने लिखा, शानदार लुक! जबर्दस्त फिल्म।

नेपोटिज्म पर खुलकर बोलीं श्रिया सरन

बॉलीवुड में कई कलाकार पहले भी नेपोटिज्म पर अपनी बात रख चुके हैं। अब एक्ट्रेस श्रिया सरन ने अपनी बात रखी है। उन्होंने कहा कि बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान भी जब इंडस्ट्री में आए थे तो एक आउटसाइडर थे। इनसाइडर-आउटसाइडर बहस के बारे में बात करते हुए श्रिया ने कहा, एक समय हर कोई आउटसाइडर था। शाहरुख खान भी एक आउटसाइडर थे जब उन्होंने इंडस्ट्री में प्रवेश किया था। चीजें अब काफी बदल रही हैं और यह तब तक बदलती रहेंगी जब तक इस पर बहस जारी रहेगी। एक्ट्रेस ने सुझाव देते हुए कहा कि वास्तव में स्क्रीन टेस्ट पर काम करने की जरूरत है। प्रत्येक प्रोडक्शन में स्क्रीन परीक्षण का एक आसान और सरल तरीका होना चाहिए, ताकि यह सभी लोगों के लिए कई दरवाजे खोले। श्रिया अगली बार शोटाइम में दिखाई देंगी, जिसमें इमरान हाशमी, महिमा मकवाना के साथ मौनी रॉय, राजीव खंडेलवाल, विशाल वशिष्ठ, नीरज माधव, विजय राज और नसीरुद्दीन शाह भी हैं।

5 साल बाद टीवी पर कमबैक को लेकर उत्साहित हैं दीपिका सिंह

एक्ट्रेस दीपिका सिंह ने हाल ही में सीरियल मंगल लक्ष्मी से टेलीविजन पर अपना कमबैक किया। शो में दीपिका एक मजबूत लेकिन रिजर्व्ड होममेकर के किरदार में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री की मानें तो ये किरदार उनके द्वारा निभाए गए अब तक के किरदारों से काफी अलग है।

ये किरदार मुझे एक बेहतर इंसान बनने में मदद कर रहा है

बातचीत के दौरान, दीपिका कहती हैं, मैं चैनल को धन्यवाद करना चाहूंगी कि उन्होंने मुझ पर इस शो के लिए विश्वास किया। मैंने अब तक जो भी काम किया, उससे ये बहुत ही अलग है। अब तक मैंने स्क्रीन पर एक स्ट्रॉन्ग वीमेन के रोल निभाए हैं। इस शो में भी मेरा किरदार अपने तरीके से स्ट्रॉन्ग है। वह अपनी फैमिली की बैकबोन है। लेकिन, वह कभी अपने किए काम के क्रेडिट की डिमांड नहीं करती। मेरा ये किरदार पूरी तरह से सेल्फलेस है। वैसे, इस किरदार के लिए मैंने अपने ऊपर भी काम किया है। रियल लाइफ में मैं सेल्फलेस बनने की राह पर हूं। मुझे लगता है कि ये किरदार मुझे एक बेहतर इंसान बनने में मदद कर रहा है।

मैं एक क्लासिकल डांसर भी हूं

5 साल बाद टीवी पर वापसी के सवाल पर, अभिनेत्री ने कहा कि इस दौरान वे अपने डांस के पैशन को एक्स्प्लोर कर रही थीं। उन्होंने कहा, दरअसल, एक्टर के अलावा मैं एक क्लासिकल डांसर भी हूं। इस ब्रेक के दौरान, मैंने अपनी क्लासिकल डांस की पढ़ाई पूरी की। मैंने क्लासिकल डांस की विद्या ली। इसकी भी बोर्ड एग्जाम की तरह परीक्षा होती है।

मैंने टीवी के अलावा, फिल्म में भी काम किया

बता दें, साल 2022 में दीपिका ने फिल्म टीटू अंबानी से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया था। दोनों प्लेटफार्म पर काम करने के अनुभव को साझा करते हुए, अभिनेत्री ने आगे कहा, हर प्लेटफार्म का काम करने का तरीका अलग हो सकता है। मैंने टीवी के अलावा, फिल्म में भी काम किया है। फिल्म के बाद, मैंने वेब सीरीज का इंतजार भी किया उन्होंने आगे कहा, फिल्म में आपको कम दिन के लिए शूटिंग करनी होती है। लेकिन, उसकी तैयारी कई महीने पहले से शुरू हो जाती है। बैकएंड पर बहुत काम होता है। कई बार तो 6-7 महीने वर्कशॉप, रीडिंग में लग जाते हैं। फिल्म के बाद, मैंने वेब सीरीज का इंतजार भी किया। फाइनली मंगल लक्ष्मी जैसा शो आया। सोचा ये तो जरूर करना चाहिए क्योंकि ये बहुत सुंदर स्टोरी है। मेरी ऑडियंस मुझे इसमें बहुत पसंद करेगी।

गायक शान रेडियो नशा के लोकप्रिय शो क्रेज़ी फ़ोर टीनशोर सीज़न 7 को होस्ट करेंगे

बॉलीवुड के प्रशंसित पार्श्व गायक शान फीवर नेटवर्क द्वारा संचालित एक लोकप्रिय शो क्रेज़ी फ़ॉर किशोर के बहुप्रतीक्षित सातवें सीज़न के मेजबान के रूप में कार्यभार संभालने के लिए तैयार हैं, जो श्रोताओं को स्वर्ण युग का जश्न मनाने वाली उच्च गुणवत्ता वाली प्रोग्रामिंग की पेशकश करने की अपनी प्रतिबद्धता जारी रखता है। भारतीय सिनेमा के दिग्गज कलाकार किशोर कुमार को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। अपने करिश्माई व्यक्तित्व और संगीत उद्योग में व्यापक अनुभव के साथ, शान महान पार्श्व गायक किशोर कुमार को समर्पित प्रिय श्रद्धांजलि श्रृंखला में एक नया दृष्टिकोण लाने के लिए तैयार हैं।

किशोर कुमार, जिन्हें अक्सर भारत के महानतम मनोरंजनकर्ता के रूप में जाना जाता है, ने अपनी विशिष्ट आवाज़ और अद्वितीय प्रतिभा से संगीत उद्योग पर एक अमिट छाप छोड़ी। अपने शानदार करियर के दौरान, किशोर कुमार ने रोमांटिक गीतों से लेकर जोशीले गानों तक, कई शैलियों में अपने भावनात्मक प्रदर्शन और अविस्मरणीय गीतों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। और यह तथ्य तो सभी जानते हैं कि शान ने अपनी बहुमुखी प्रतिभा और भावपूर्ण प्रस्तुतियों के कारण दशकों तक अपनी मधुर आवाज और गतिशील मंच उपस्थिति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया है। व्यक्तिगत स्तर पर श्रोताओं से जुड़ने की उनकी क्षमता उन्हें उस शो का नेतृत्व करने के लिए एक आदर्श विकल्प बनाती है, जो किशोर कुमार के शाश्वत संगीत और पुरानी यादों का जश्न मनाता है। क्रेज़ी फ़ॉर किशोर किशोर कुमार के प्रतिष्ठित गीतों को प्रदर्शित करके और भारतीय संगीत पर उनके प्रभाव को उजागर करके उन्हें श्रद्धांजलि देता है। शो के प्रत्येक एपिसोड में किशोर कुमार के अनसुने उदाहरणों, गीतों, सामान्य ज्ञान और उनकी यादों की प्रस्तुति दी जाती है। शान के नेतृत्व में, क्रेज़ी फ़ॉर किशोर सीज़न 7 एक अविस्मरणीय संगीत अनुभव प्रदान करने का वादा करता है जो एक नए और रोमांचक तरीके से दर्शकों को आकर्षित करते हुए किशोर कुमार की विरासत का सम्मान करता है। शो की मेजबानी करने के अलावा, शान से किशोर कुमार के जीवन और करियर के बारे में अंतर्दृष्टि साझा करने की उम्मीद की जाती है। रेडियो पर क्रेजी फॉर किशोर एक ऐसा शो है जो हमेशा से मेरा पसंदीदा रहा है.. मैंने हमेशा गुप्त रूप से आशा और कामना की है कि मैं इस शो का हिस्सा बन सकूं.. इसलिए जब सीज़न की पेशकश मेरे पास आई.. तो मैंने इसे दोनों के साथ स्वीकार कर लिया। हाथ. रेडियो नशा में रोहिणी और उनकी टीम इस संपत्ति के प्रति बेहद अनुभवी और समर्पित है और बेहद उत्साहजनक भी है। इससे मुझे बहुत आत्मविश्वास मिला और वास्तव में मुझे जल्दी से आरजे टोपी पहनने में मदद मिली। और बिल्कुल, जब एकमात्र किशोर कुमार के बारे में बात करने की बात आती है.. मैं उनकी आवाज, उनके व्यक्तित्व, उनकी निजी कहानियों के बारे में बात करता रह सकता हूं, आज के संगीत और गायकों पर उनका प्रभाव है। कुल मिलाकर मैं क्रेज़ी फ़ॉर किशोर, का बिल्कुल नया होस्ट बनने के लिए बेहद उत्साहित हूं। यह शो फीवर पर भी प्रसारित किया जाएगा, जिसने हाल ही में खुद को नए लुक और पोजिशनिंग के साथ नया रूप दिया है। श्रोताओं को शो फीवर एफएम स्टेशन पर सोमवार से शुक्रवार शाम 4-5 बजे तक और रेडियो नशा पर सोमवार से शुक्रवार क्रमशः सुबह 11 बजे से दोपहर 12 बजे और रात 10-11 बजे तक सुनने को मिलेगा।